दैनिक

जयपुर टाइम्स

नई सोच नई रफ्तार

जयपुर,सीकर, झुंझुनूं, चुरू,नागौर एवं अलवर से एक साथ प्रकाशित

n वर्ष : 09 अंक : 242 ■ डाक पंजीयन संख्या : जयपुर सिटी / 007/2017-19 जयपुर, बुधवार 23 अप्रैल, 2025 ■ RNI.No.RAJHIN/2016/70162 ■ मूल्य : 1.5 रुपए ■ पृष्ठ : 8+2

jaipurtimes.org twitter.com/JaipurTimes2 facebook.com/dainikjaipurtimes youtube.com/c/JaipurTimes instagram.com/jaipurtimesjt

विद्युत निगमों व एसबीआई के मध्य एमओयू

राज्य सरकार कार्मिकों की सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के प्रति संवेदनशील : सीएम भजनलाल

57 हजार बिजली कार्मिकों को मिलेगा एक करोड़ रूपए तक का बीमा कवर

सुगमता से विद्युत कनेक्शन और जीएसएस के बेहतर रखरखाव के लिए ऐप लॉन्च

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के कार्मिकों व उन पर आश्रित परिवारजनों की सामाजिक व आर्थिक सुरक्षा के प्रति संवेदनशील है। हमने कार्मिकों को सुरक्षित भविष्य देने और उनके कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के ऊर्जा तंत्र को सुदृढ़ बनाना तथा आमजन को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है। शर्मा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास पर आयोजित भारतीय स्टेट बैंक और विद्युत निगमों के बीच एमओयू आदान-प्रदान और ऐप लॉन्चिंग कार्यक्रम को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि 8 करोड़ प्रदेशवासियों को सुशासन देने में राज्य कर्मचारी एक महत्वपूर्ण कड़ी है। विकसित और खुशहाल राजस्थान के लक्ष्य के लिए कार्मिक समर्पण व सेवाभाव के साथ कार्य कर रहे हैं। इसलिए ये महत्वपूर्ण एमओयू कार्मिकों को सुरक्षित भविष्य देने के राज्य सरकार के उद्देश्य की पूर्ति में सहायक सिद्ध होंगे।

राज्य सरकार पर नहीं पड़ेगा अतिरिक्त वित्तीय भार

मुख्यमंत्री ने कहा कि इन एमओयू से राज्य सरकार अथवा ऊर्जा कंपनियों पर बिना किसी अतिरिक्त वित्तीय भार के कर्मचारियों व उन पर आश्रित परिवारजनों की सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा और मजबूत हो सकेगी। बैंक की ओर से न तो ऊर्जा कंपनियों से और न ही कर्मचारियों से कोई राशि ली जाएगी। इस बीमा का प्रीमियम एसबीआई स्वयं वहन करेगा।

57 हजार बिजली कार्मिकों को मिलेगा एक करोड़ रूपए तक का बीमा कवर

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की बिजली कंपनियों में करीब 57 हजार कर्मचारी कार्यरत हैं। विद्युत उत्पादन से लेकर उपभोक्ता तक सतत् व गुणवत्तापूर्ण बिजली की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इन कंपनियों के तकनीकी कर्मचारी दिन-रात जोखिम भरी परिस्थितियों में कार्य करते हैं। विद्युत कार्य करते समय वे कई बार दुर्भाग्य से हादसे के शिकार हो जाते हैं। ऐसी विषम परिस्थितियों में विकलांगता व अशक्तता के के साथ ही असमय ही जान तक चली जाती है, जिसके लिए वर्तमान में अधिकतम क्षतिपूर्ति 20 लाख रुपये तक मुहैया करवाई जा रही है। शर्मा ने कहा कि आज हमने जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण कंपनियों, राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम तथा राजस्थान विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड में कार्यरत सभी विद्युतकर्मियों को बीमा उपलब्ध कराने के लिए भारतीय स्टेट बैंक के साथ एमओयू का आदान-प्रदान किया है। उन्होंने कहा कि इन एमओयू के तहत विद्युतकर्मियों की व्यक्तिगत दुर्घटना में मृत्यु होने या स्थायी निशक्तता की स्थिति में एक करोड़ रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा उपलब्ध होगा। वहीं आंशिक रूप से अशक्तता की स्थिति में 80 लाख रुपये का व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा कवर दिया जाएगा। इसके अतिरिक्त 10 लाख रुपये के सामूहिक सावधि जीवन बीमा के साथ ही अन्य आर्थिक सहायता एवं सुविधाएं भी उपलब्ध करवाई जाएंगी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिजिटल भारत की संकल्पना को मिलेगी मजबूती

मुख्यमंत्री शर्मा ने कार्यक्रम में विद्युत वितरण कंपनियों की ओर से जेईएन साइट वेरीफिकेशन और ऐस्टीमेशन मोबाइल एप्लीकेशन तथा सब स्टेशन मॉनिटरिंग एप्लीकेशन भी लॉन्च किए। उन्होंने कहा कि इससे पेपरलेस सिस्टम को बढ़ावा मिलने के साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की डिजिटल भारत की संकल्पना को भी मजबूती मिलेगी। शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन की सरकार जनसेवा के लिए पूरी तरह समर्पित है और हम आगे भी प्रदेश के चहुंमुखी विकास और प्रदेशवासियों की खुशहाली के लिए निरंतर कार्य करते रहेंगे।

उपभोक्ताओं को पारदर्शिता के साथ मिलेगी बेहतर सेवाएं

विद्युत निगमों की ओर से लॉन्च दो नए ऐप के माध्यम से प्रदेश के उपभोक्ताओं को पारदर्शिता के साथ बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित होगी। जेईएन साइट वेरीफिकेशन मोबाइल एप्लीकेशन से साइट वेरीफिकेशन और एस्टीमेट तैयार करने की प्रक्रिया जेईएन की ओर से सरल, शीघ्र और पारदर्शी तरीके से सम्पादित की जा सकेगी। इससे उपभोक्ताओं को बिजली कनेक्शन शीघ्र जारी हो सकेंगे। इसके अतिरिक्त सब स्टेशन मॉनिटरिंग एप्लीकेशन को ग्रिड सब स्टेशनों की मॉनिटरिंग के लिए तैयार किया गया है। इससे विद्युत आपूर्ति के सबसे महत्वपूर्ण तकनीकी तंत्र 33/11 जीएसएस में मैटेरियल की उपलब्धता और आवश्यकता का सही आकलन कर पाएंगे। इस दौरान डिस्कॉम्स की तरफ से चैयरमेन डिस्कॉम्स आरती डोगरा, प्रसारण निगम की तरफ से प्रबंध निदेशक नथमल डिडेल, उत्पादन निगम की तरफ से सीएमडी देवेन्द्र श्रृंगी और भारतीय स्टेट बैंक की ओर से महाप्रबंधक एसबीआई श्री प्रबुद्ध कुमार ने एमओयू एक्सचेंज किए। कार्यक्रम में ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर, अजमेर व जोधपुर डिस्कॉम्स के एमडी वीसी के माध्यम से जुड़े। इस अवसर पर मुख्यमंत्री कार्यालय, ऊर्जा विभाग और भारतीय स्टेट बैंक के उच्चाधिकारी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किया अमेरिकी उपराष्ट्रपति वेंस का स्वागत

राजस्थानी आतिथ्य सत्कार से अभिभूत हुए वेंस

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति जेम्स डेविड वेंस की जयपुर यात्रा के दूसरे दिन आमेर किले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उनका आत्मीयतापूर्वक स्वागत किया। मुख्यमंत्री ने वेंस को बुके भेंट कर उनके सुखद प्रवास के लिए शुभकामनाएं दी और उन्हें राजस्थान की बहुरंगी संस्कृति व आतिथ्य सत्कार परंपरा के बारे में जानकारी दी। वेंस, उनकी धर्मपत्नी उषा वेंस व बच्चे मंगलवार प्रातः 9 बजे आमेर किले का भ्रमण करने पहुंचे। यहां उनका ढोल-नगाड़ों और सजे हुए हाथियों के साथ राजस्थानी परंपरा से स्वागत किया गया। इस दौरान लोक कलाकारों ने पारंपरिक वेश-भूषा में कालबेलिया व कच्छी घोड़ी नृत्य प्रस्तुत किया। राजस्थानी कला-संस्कृति की मनोहारी प्रस्तुतियों से उपराष्ट्रपति वेंस और उनके परिजन अभिभूत नजर आए। इसके बाद वे आमेर किले का भ्रमण कर राजस्थान की ऐतिहासिक स्थापत्य धरोहर से रूबरू हुए। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी भी उपस्थित रहीं। उल्लेखनीय है कि संयुक्त राज्य अमेरिका के उपराष्ट्रपति वेंस सोमवार रात्रि सपरिवार जयपुर पहुंचे थे। वेंस 24 अप्रेल को प्रातः अमेरिका के लिए प्रस्थान करेंगे।

गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में परिवर्तन

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजधानी जयपुर में संचालित समस्त सरकारी व निजी स्कूलों में कक्षा 8 तक के बच्चों का समय बदलने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। जयपुर कलेक्टर जितेंद्र सोनी ने आदेश जारी किए हैं कि कक्षा 8 तक के बच्चों का स्कूल जाने का समय सुबह 7.30 से दोपहर 11.30 बजे तक ही रहेगा। वहीं कक्षा 9 से 12 तक के बच्चों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

संसद ही सर्वोपरिः उपराष्ट्रपति धनखड़

न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका की बहस के बीच उप राष्ट्रपति ने फिर की टिप्पणी

जयपुर टाइम्स

नई दिल्ली(एजेंसी.)। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने एक बार फिर न्यायपालिका बनाम कार्यपालिका बहस के बीच सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि संसद ही सर्वोपरि है। हर सांविधानिक पदाधिकारी की ओर से बोला गया प्रत्येक शब्द सर्वोच्च राष्ट्रीय हित से जुड़ा होता है। दिल्ली विवि में एक कार्यक्रम में न्यायिक अधिकारों के अतिक्रमण पर सुप्रीम कोर्ट को घेरा। उन्होंने कहा कि संविधान कैसा होगा, ये वही तय करेंगे जो चुनकर आए हैं। इसके ऊपर कोई नहीं होगा। संसद सर्वोपरि है। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की दो टिप्पणियों का हवाला दिया। इसमें गोरकनाथ मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं है। जबकि दूसरे केशवानंद भारती मामले में कोर्ट ने कहा था कि यह संविधान का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि किसी भी सांविधानिक पदाधिकारी की ओर से बोला गया प्रत्येक शब्द राष्ट्र के सर्वोच्च हित से निर्देशित होता है। मुझे यह बात काफी दिलचस्प लगती है कि कुछ लोगों ने हाल ही में यह विचार व्यक्त किया है कि सांविधानिक पद औपचारिक और सजावटी हो सकते हैं। इस देश में प्रत्येक व्यक्ति की भूमिका चाहे वह सांविधानिक पदाधिकारी हो या नागरिक के बारे में गलत समझ से कोई भी चीज दूर नहीं हो सकती है। सुप्रीम कोर्ट के फैसलों और टिप्पणियों को लेकर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ लगातार सवाल उठा रहे हैं। हाल ही में उपराष्ट्रपति धनखड़ ने न्यायपालिका की तरफ से राष्ट्रपति के लिए निर्णय लेने और सुपर संसद के रूप में कार्य करने के लिए समयसीमा निर्धारित करने पर सवाल उठाते हुए कहा था कि सर्वोच्च न्यायालय लोकतांत्रिक ताकतों पर परमाणु मिसाइल नहीं दाग सकता।

पहबेलगामः आतंकी हमले में दो की मौत, कई पर्यटक घायल

जयपुर टाइम्स

अनंतनाग(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग जिले के पहलगाम में मंगलवार को हुए आतंकी हमले में कई पर्यटक घायल हो गए हैं। पुलिस ने बताया कि यह हमला बायसरन घास के मैदानों के पास हुआ। एक महिला, जो इस हमले में जीवित बची जिसने बताया कि मेरे पति के सिर में गोली लगी है और सात अन्य लोग भी घायल हुए हैं। महिला ने अपनी पहचान नहीं बताई लेकिन घायलों को अस्पताल पहुंचाने के लिए मदद की गुहार लगाई। घटना की सूचना मिलते ही सुरक्षाबलों की टीमें क्षेत्र में भेजी गईं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि फायरिंग की आवाजें सुनते ही सुरक्षाबलों को बायसरन क्षेत्र में भेजा गया, जो एक नॉन -मोटरेबल इलाका है। घटना से संबंधित अतिरिक्त जानकारी की प्रतीक्षा की जा रही है। क्षेत्र में सर्च ऑपरेशन और स्थिति पर करीबी नजर रखी जा रही है। यह हमला हुआ जब पहलगाम पर्यटकों से भरा हुआ था। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह कायराना हरकत निंदनीय है, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कई घायल हुए ऐसी हिंसा अस्वीकार्य है और इसका विरोध किया जाना चाहिए। राजौरी के नौशेरा में भाजपा नेता रविंदर रैना ने पहलगाम आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि पाकिस्तानी आतंकियों ने निर्दोष और निहत्थे पर्यटकों को मार डालकर कायरता दिखाई है।

चुनाव प्रणाली पर सवाल उठाना लोकतंत्र का अपमान, राजनीतिक दलों के आरोप खारिज

नई दिल्ली(एजेंसी.)। । भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के बारे में राजनीतिक दलों की ओर से लगाए गए आरोपों पर स्पष्ट और तथ्यों पर आधारित जानकारी साझा की है। आयोग ने चुनाव में गड़बड़ी के सभी आरोपों को खारिज कर दिया है। आयोग ने कहा है कि राजनीतिक दलों की ओर से लगाए गए आरोप न केवल भ्रामक और निराधार हैं, बल्कि देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था और कानून के शासन के प्रति अपमानजनक हैं। आयोग ने बताया कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के दौरान कुल 6.40 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान किया। औसतन प्रति घंटे लगभग 58 लाख मतदाताओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। अंतिम दो घंटों में लगभग 65 लाख मतदाताओं की ओर से मतदान किया गया, जो सामान्य औसत से भी कम है।

हर जिले में हीटवेव का बेहतरीन प्रबंधन करने के निर्देश

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। चिकित्सा व स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने कहा कि चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की ओर से हीटवेव से बचाव व उपचार के लिए उच्च स्तरीय प्रबंधन किया जा रहा है। विभाग के सभी कार्मिक इस भावना के साथ काम करें कि लू-तापघात से प्रदेश में कोई जनहानि नहीं हो। पूरा चिकित्सा तंत्र अलर्ट मोड और प्रो-एक्टिव एप्रोच के साथ काम कर आमजन को राहत दे। मेडिकल कॉलेज से सम्बद्ध अस्पतालों से लेकर सब-सेन्टर तक पूरी मुस्तैदी के साथ जांच, दवा, उपचार सहित तमाम व्यवस्थाएं पुख्ता रहें। उन्होंने कहा कि चिकित्सा व्यवस्थाओं को लेकर कोई भी लापरवाही या कमी सामने आती है तो संबंधित चिकित्सा संस्थान के प्रभारी की जिम्मेदारी तय की जाएगी। खींवसर मंगलवार को स्वास्थ्य भवन में हीटवेव प्रबंधन को लेकर प्रदेशभर में की गई तैयारियों व गतिविधियों की समीक्षा कर रहे थे। चिकित्सा मंत्री ने कहा कि चिकित्साकर्मी हीटवेव को लेकर विशेष सतर्कता बरतें। यह सुनिश्चित करें कि अस्पतालों में पंखे, कूलर, एसी, वाटर कूलर, जांच, दवा व उपचार के प्रबंधन में कोई कमी नहीं रहे। अधिकारी निरंतर फील्ड में जाकर चिकित्सा संस्थानों का निरीक्षण करें। संसाधनों की तात्कालिक उपलब्धता के लिए आरएमआरएस फण्ड का उपयोग करें या वैकल्पिक उपायों के माध्यम से तुरंत व्यवस्था सुनिश्चित करें। चिकित्सा मंत्री ने लू-तापघात से पीड़ित मरीजों को रेपिड रेस्पॉन्स सिस्टम के माध्यम से तत्काल राहत पहुंचाने, सभी चिकित्सा संस्थानों में हीटवेव के उपचार से संबंधित दवाओं, आईसपैक आदि पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध रखने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि एम्बुलेंस में सभी जरूरी संसाधन क्रियाशील स्थिति में हो ताकि आपात स्थितियों में त्वरित रूप से राहत पहुंचाई जा सके। उन्होंने कहा कि सभी अस्पतालों में हीट स्ट्रोक के रोगियों के लिए डेडिकेटेड वार्ड हों, कन्ट्रोल रूम सुचारू रूप से चौबीसों घंटे संचालित किए जाएं।

हीटवेव की अधिकता वाले जिले विशेष तैयारियां रखें

खींवसर ने कहा कि विभाग की ओर से चिकित्सा संस्थानों में समुचित स्टाफ उपलब्ध कराने के प्रयास सुनिश्चित किए जा रहे हैं। जहां भी स्टाफ की कमी है, वहां स्थानीय स्तर पर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करें लेकिन उपचार में किसी तरह की कमी नहीं रहे। उन्होंने कहा कि हीटवेव प्रबंधन को लेकर संसाधनों में किसी तरह की कमी नहीं रखी जाएगी। मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारियों से संवाद करते हुए उन्होंने हीटवेव से संबंधित तैयारियों के बारे में जानकारी ली और दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हीटवेव की अधिकता वाले जिले विशेष तैयारियां रखें।

खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गतिविधियों पर फोकस किया जाए

चिकित्सा व स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने कहा कि हीटवेव प्रबंधन से संबंधित तैयारियों के साथ-साथ खाद्य सुरक्षा से जुड़ी गतिविधियों पर भी फोकस किया जाए। आमतौर पर गर्मी के मौसम में दूषित खान-पान की वजह से लोगों के बीमार होने के मामले सामने आते हैं। सभी जिलों में नियमित रूप से खाद्य सामग्री में मिलावट की जांच की जाए। खाद्य सामग्री निर्माण करने वाली इकाइयों का समय-समय पर निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि वे सभी खाद्य सुरक्षा मानकों की पालना आवश्यक रूप से करें। साथ ही आमजन को स्वच्छ खान-पान व स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जाए। बैठक में अतिरिक्त मिशन निदेशक एनएचएम डॉ. टी. शुभमंगला, निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा, निदेशक आरसीएच डॉ. सुनीत सिंह राणावत सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। सभी जिलों से मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी सहित अन्य अधिकारी भी वीसी से जुड़े।

जिले में सुचारू पेयजल आपूर्ति कराने एवं हीट वेव से बचाव हेतु एडवायजरी की पालना करावे - प्रभारी मंत्री डॉ. मीणा

जिला प्रभारी मंत्री ने ली विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक

ग्रामीणों से लिया दूरभाष से कार्यों का फीडबैक

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिले के प्रभारी मंत्री एवं कृषि एवं उद्यानिकी, आपदा प्रबंधन, सहायता एवं नागरिक सुरक्षा विभाग मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा ने मंगलवार को मिनी सचिवालय के कलक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा बैठक लेकर संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि बजट घोषणाओं, आमजन की मूलभूत सुविधाओं एवं केंद्र व राज्य सरकार की योजनाओं का धरातल पर समयबद्ध रूप में प्रभावी क्रियान्वयन करावें।

ग्रीष्म ऋतु के दौरान रहे सुचारू पेयजल आपूर्ति

जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. मीणा ने ग्रीष्म ऋतु के मद्देनजर जिले में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि पेयजल की सुचारू एवं समुचित व्यवस्था के लिए विभिन्न मदों में स्वीकृत कार्यों तथा समर कंटीजेंसी प्लान के तहत शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत कार्यों को निर्धारित समय-सीमा के अनुसार तत्परता से पूर्ण करवाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि पेयजल प्रभावित क्षेत्रों में आमजन की मांग का विश्लेषण कर उसके अनुरूप टैंकर से पेयजल आपूर्ति करावे तथा इसकी जीपीएस के माध्यम से प्रभावी मॉनिटरिंग करें। उन्होंने निर्देश दिये कि पेयजल संबंधी शिकायतों का त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान करें, ताकि आमजन को गर्मी के मौसम में पेयजल हेतु परेशानी का सामना न करना पडे। उन्होंने जल जीवन मिशन योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों की प्रगति की समीक्षा कर निर्देश दिये कि योजना में नॉन फिजेबल गांवों में पेयजल आपूर्ति कराने हेतु प्रस्ताव तैयार करें। उन्होंने जेजेएम के कार्यों के दौरान क्षतिग्रस्त हुई सडकों की यथाशीघ्र मरम्मत कराने के निर्देश दिये।

हीट वेव व लू-तापघात से बचाव हेतु रखे समुचित व्यवस्था

प्रभारी मंत्री डॉ. मीणा ने चिकित्सा विभाग द्वारा जिले में हीट वेव व लू-तापघात से बचाव हेतु की गई तैयारियों की समीक्षा कर मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी निर्देश दिये कि जिले के चिकित्सा संस्थानों में हीट वेव मरीजों के लिए आरक्षित बैड, कूलर, पंखे, एसी, वाटर कूलर, ओरआरएस के पैकेट, दवाइयां इत्सादि की समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें। साथ ही आमजन को हीट वेव व लू-तापघात से बचाव हेतु सरकार द्वारा जारी एडवायजरी का व्यापक प्रचार-प्रसार करावे। उन्होंने मुख्यमंत्री नि-शुल्क दवा योजना के तहत चिकित्सा संस्थानों में दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। उन्होंने जिले में भवन रहित चिकित्सा संस्थानों की वस्तुस्थिति जानकर उनके प्रस्ताव तैयार कर विभाग को भिजवाने के निर्देश दिये।

जिले के किसानों को योजनाओं से कराए लाभांवित

उन्होंने कृषि विभाग द्वारा किसान हित में किए जा रहे कार्यों एवं सरकार की जनहितैषी योजनाओं की समीक्षा करते हुए कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक को निर्देशित किया कि तारबंदी, पॉली हाउस निर्माण, ग्रीन हाउस, ड्रीप सिस्टम, मिनी फव्वारा व स्प्रिंकलर, मल्च इत्यादि योजनाओं में जिले के लक्ष्य अनुसार प्रगति अर्जित करें तथा गांवों में संगोष्ठियों व चौपालों के माध्यम से इन योजनाओं की जानकारी प्रदान कर उन्हें लाभांवित करावे।

पीएम सूर्य घर योजना से करें लाभांवित

उन्होंने पीएम सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना एवं पीएम कुसुम योजना की समीक्षा कर विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता को निर्देश दिये कि उपभोक्ताओं के लिए दोनों योजनाएं विद्युत बिल में राहत देने के साथ विद्युत उत्पादन व विद्युत बचत के संबंध में महत्वपूर्ण योजना है। इन योजनाओं से सभी पात्र उपभोक्ताओं को लाभांवित करावे।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण चिन्हित कर हटवाएं

उन्होंने नगर विकास न्यास की सचिव व नगर निगम आयुक्त व उप वन संरक्षक के साथ उपखण्ड अधिकारियों को निर्देशित किया कि सरकारी भूमि पर हो रहे अतिक्रमण को चिन्हित कर उसे हटाने की कार्रवाई करें। उन्होंने डीएफओ सरिस्का को निर्देश दिये कि सरिस्का अभयारण्य के आसपास वन क्षेत्र व ईको सेंसेटिव जोन में किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधियों का संचालन ना होवे इसके लिए प्रभावी मॉनिटरिंग करते हुए नियमानुसार कार्रवाई करें।

आमजन की सुनी परिवेदनाएं

बैठक के पश्चात प्रभारी मंत्री डॉ. मीणा ने मिनी सचिवालय सभागार में जिलेभर से आए फरियादियों की परिवेदनाओं को सुनकर संबंधित अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिये। जनसुनवाई के दौरान पुनर्गठित ग्राम पंचायतों में संशोधन के प्रकरण, राजस्व, पुलिस, पेयजल आदि की परिवेदनाएं मिली। थानागाजी क्षेत्र के प्रतिनिधि मंडल ने एलीवेटेड रोड के संबंध में अपना ज्ञापन प्रभारी मंत्री को सौंपा। इस पर प्रभारी मंत्री ने उचित स्तर पर क्षेत्रवासियों की मांग को रखने का विश्वास दिलाया। उधर बैठक के बाद प्रभारी मंत्री ने पत्रकारों से भी बात की। जहां जमीनों पर हो रहे अतिक्रमण की बात पर एक पत्रकार के सवाल के जवाब में प्रभारी मंत्री डॉ किरोड़ी लाल मीणा ने कहा कि आप मुझे शिकायत दें क्योंकि मैं तो पूछ उखाड़ कर ही दम लेता हूं। बैठक में कठूमर विधायक रमेश खिंची, थानागाजी विधायक कान्ती प्रसाद मीणा, पुलिस अधीक्षक संजीव नैन, एडीएम मुकेश कायथवाल, एडीएम द्वितीय योगेश डागुर, जिलाध्यक्ष अशोक गुप्ता, जिला परिषद सीईओ सालुखे गौरव रवीन्द्र, यूआईटी सचिव धीगदे स्नेहल नाना, डीएफओ अलवर राजेन्द्र हुड्डा, डीएफओ सरिस्का अभिमन्यु सहारण, नगर निगम आयुक्त जितेन्द्र सिंह नरूका, एसडीएम अलवर यशार्थ शेखर, जलदाय विभाग के अधीक्षण अभियन्ता रमेश चंद सैनी, विद्युत विभाग के अधीक्षण अभियन्ता सुधीर पाण्डे, पीडब्ल्यूडी के अधीक्षण अभियन्ता भूरी सिंह, सीएमएचओ डॉ. योगेन्द्र शर्मा, डीएसओ विनोद जुनेजा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

ग्रामीणों से लिया दूरभाष से कार्यों का फीडबैक

जिले प्रभारी मंत्री डॉ. मीणा ने बैठक के दौरान कठूमर क्षेत्र ग्राम बहरामपुर व नसवारी के सरपंच से दूरभाष से बातचीत कर जल जीवन मिशन योजना के तहत गांव में किए गए कार्य का फीडबैक लिया। वहीं ट्रांसफार्मर बदलने की शिकायत पर उन्होंने ग्राम खरखडा के उपभोक्ता से बातचीत कर कार्य पूर्ण होने की जानकारी ली जिस पर उपभोक्ता ने विद्युत विभाग के कार्यों पर संतुष्टि जाहिर करते हुए बताया कि विभाग की टीम द्वारा ट्रांसफार्मर बदल दिया है अब सुचारू रूप से विद्युत आपूर्ति हो रही है।

जनप्रतिनिधियों ने दिए सुझाव

कठूमर विधायक रमेश खिंची ने कठूमर क्षेत्र में जल जीवन मिशन योजना में नॉन फिजिबल गांवों में पेयजल आपूर्ति की योजना बनवाने, योजना के तहत संचालित कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर पेयजल आपूर्ति सुचारू कराने, बजट घोषणाओं में स्वीकृत विद्युत स्टेशनों के कार्य में तेजी लाकर उसे पूर्ण कराने, ईसी प्रकार थानागाजी विधायक कान्ती प्रसाद मीणा ने विद्युत ट्रांसफार्मर जलने की फेलियर रिपोर्ट समयबद्ध रूप से उच्च स्तर पर भिजवाकर ट्रांसफार्मर को बदलवाने, जल जीवन मिशन योजना के तहत क्षतिग्रस्त सडकों की मरम्मत कराने तथा योजना से वंचित का गांवों में पेयजल आपूर्ति की व्यवस्था कराने के संबंध में अपने सुझाव दिए। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने प्रभारी मंत्री डॉ. किरोडी लाल मीणा को विश्वास दिलाया कि बैठक में दिए गए निर्देशों की अक्षरश पालना सुनिश्चित कराई जावेगी।

मुख्यमंत्री शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरंतर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है'

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरंतर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोडकर लाभान्वित किया जाए ताकि वे समाज की मुख्य धारा से जुड सकें। खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में निर्धारित मापदण्ड राजस्थान खाद्य सुरक्षा नियम, 2023 अनुसूची-1 में1. परिवार जिसमें कोई आयकर दाता हों, 2. परिवार जिसका कोई सदस्य सरकारी / अर्द्धसरकारी / स्वायत्तशासी संस्थाओं में कर्मचारी हों, 3. एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय हो, 4. परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रेक्टर आदि जीविकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोडकर) निष्कासन सूची में शामिल है। ऐसे परिवारों को स्वत ही खाद्य सुरक्षा का लाभ छोड़कर अन्य वास्तविक वंचित परिवारों को मौका देना चाहिए। 01 नव बर, 2024 में आज दिनांक तक अलवर जिले में 21479 व्यक्तियों (जिला खैरथल तिजारा एवं नीमराणा, बहरोड एवं बानसूर सहित) ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा है। मु यमंत्री के निर्देश पर 26 जनवरी 2025 को खाद्य सुरक्षा पोर्टल खोला गया, जिसमें आज तक जिले में 143792 व्यक्तियों (जिला खैरथल-तिजारा एवं नीमराणा, बहरोड एवं बानसूर सहित) को जोडा गया है। अभियान में जिले में 231 अपात्र परिवारों को नोटिस जारी किये गये, जिनसे वसूली की कार्यवाही की जायेगी। अभियान में अब प्रत्येक उचित मूल्य दुकान पर खाद्य विभाग के प्रवर्तन अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षक औचक निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र परिवारों को नोटिस जारी करेंगे। खाद्य विभाग द्वारा शीघ्र ही परिवहन विभाग से चार पहिया वाहन स्वामी का डाटा संकलित कर खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र परिवारों को नोटिस जारी जाएग जाएंगे और आर वसूली की कार्यवाही की जायेगी।

जिला कलक्टर ने किया किशनगढ़ बास जेल एवं नगर पालिका का निरीक्षण

जिला कलक्टर ने बंदियों को हीट स्ट्रोक से बचाने हेतु दिए आवश्यक निर्देश

जयपुर टाइम्स

खैरथल-तिजारा(निसं.)। जिला कलक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी किशोर कुमार द्वारा मंगलवार को किशनगढ़ बास जेल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान जेल में कैदियों के स्वास्थ्य, गर्मी के कारण हीट स्ट्रोक, सुरक्षा, सफाई एवं दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। जिला कलक्टर ने अपने निरीक्षण के दौरान मुलाकात कक्ष, किचन, बैरेक, प्रवेश द्वार आदि के साथ बंदियो के बैरकों का भी निरीक्षण किया। बैरेक में उन्होंने पंखे, पानी आदि की व्यवस्था देखी साथ ही हीट स्ट्रोक से बचाने के लिए ओआरएस की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए। इस दौरान उन्होंने जेल में विभिन्न पंजिकाओं एवं सुरक्षा के लिए लगे सीसीटीवी सिस्टम, कंट्रोल रूम की भी जांच की। उन्होंने जेल निरीक्षण के दौरान बंदियों से उनके मामलों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने बंदियों को भोजन देने की व्यवस्था, स्वास्थ्य परीक्षण की जानकारी लेने के साथ जेल परिसर में घुमकर सुरक्षा व्यवस्था का भी मुआयना किया। जिला कलेक्टर किशोर कुमार ने नगर पालिका किशनगढ़ बास का औचक निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने नगर पालिका में विभिन्न व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, सड़क मरम्मत कार्य जानकारी प्राप्त की तथा सार्वजनिक स्थलों कि साफ सफाई रखने के लिए निर्देशित किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं समय पर एवं सुचारू रूप से उपलब्ध कराई जाएं। साथ ही यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता से किसी भी तरह का समझौता न हो। निरीक्षण के दौरान उपखंड अधिकारी किशनगढ़ बास मनीष कुमार जाटव, तहसीलदार नरेंद्र कुमार भाटिया सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ई-लाइब्रेरी, बाला, इंटरनेट, रूफटॉप वाटर हार्वेस्टिंग, टॉयलेट आदि सुविधाएं विकसित कराने के दिए दिशा-निर्देश

ई-विद्या प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक आयोजित

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला ने मंगलवार को ई-विद्या प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक लेकर शिक्षा विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि प्रोजेक्ट के तहत निर्मित ई- लाइब्रेरियों की प्रभावी मॉनिटरिंग करने के साथ शेष लाइब्रेरियों निर्माण कार्य को निर्धारित टाइम लाइन के अनुसार पूर्ण करावे। जिला कलक्टर ने कहा कि जिला प्रशासन द्वारा जिले के ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थियों एवं युवाओं को ग्राम पंचायत स्तर पर डिजिटल लाइब्रेरी एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ई-विद्या प्रोजेक्ट का नवाचार किया गया है जिसके तहत जिले के ग्राम पंचायत मुख्यालयों पर स्थित 291 उच्च माध्यमिक विद्यालय (पीईईओ स्कूल) में से 193 विद्यालयों में डिजिटल लाइब्रेरी क्रियाशील हो चुकी है। साथ ही शेष 98 विद्यालयों में नए सिरे से डिजिटल लाइब्रेरी बनवाई जाएगी। उन्होंने डिजिटल लाइब्रेरी का उपयोग ब'चों की रचनात्मकता और नवाचार को बढ़ावा देने के लिए करने पर जोर दिया।

विद्यालयों को करें स्मार्ट स्कूल के रूप में विकसित

जिला कलक्टर ने निर्देश दिये कि जिले के सभी पंचायत प्रारंभिक शिक्षा अधिकारी स्कूलों में प्रोजेक्ट के प्रमुख बिंदुओं जैसे डिजिटल लाइब्रेरी, बाला (बिल्डिंग एज लर्निंग एड), सीसीटीवी कैमरे, प्रत्येक विद्यालय में 10 क प्यूटर, स्मार्ट बोर्ड, प्रिंटर, अच्छा फर्नीचर, इंटरनेट कनेक्टिविटी, चाइल्ड फ्रेंडली वातावरण, वाटर हार्वेस्टिंग, ग्रीन कै पस और क्रियाशील शौचालयों की व्यवस्था सुनिश्चित करें। जिला कलक्टर ने हरसाना विद्यालय प्रधानाचार्य रूप सिंह व इंदरगढ़ विद्यालय की प्रधानाचार्य पुष्पा मीणा को अपने-अपने विद्यालय में उत्कृष्ट ई-लाइब्रेरी बनवाने व विद्यालय के सर्वांगीण विकास कराने के उत्कृष्ट कार्य करने पर सम्मानित किया। बैठक में जिला शिक्षा अधिकारी मनोज शर्मा एवं राजेश लवानिया ने प्रोजेक्ट की प्रगति के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा राष्ट्रीय पुरस्कृत शिक्षक इमरान खान ने डिजिटल लाइब्रेरी के उपयोग और इसके महत्व के बारे में बताया। बैठक में सभी ब्लॉक मुख्य शिक्षा अधिकारी एवं प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियां

जिले के राजस्व विभाग के नोडल अधिकारियों एवं अन्य विभागों के अधिकारियों के साथ हुई बैठक

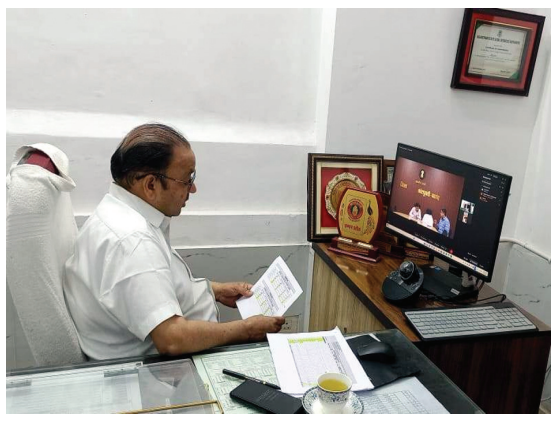

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलवर द्वारा 10 मई 2025 को समस्त न्यायालयों में लंबित प्रकरणों एवं विवाद पूर्व अन्य प्रकरणों के अधिकाधिक सं या में निस्तारण हेतु राष्ट्रीय लोक अदालत का अयोजन किया जा रहा है। राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, अलवर सचिव एवं अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश मोहनलाल सोनी की अध्यक्षता में अलवर जिले के राजस्व विभाग के नोडल अधिकारियों एवं अन्य विभागों के अधिकारीगण के साथ बैठक का आयोजन किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव सोनी ने बताया कि 10 मई 2025 को अलवर जिला न्यायक्षेत्र में (जिसमें जिला खैरथल-तिजारा एवं कोटपूतली-बहरोड भी शामिल है) वर्ष 2025 की द्वितीय राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। उक्त राष्ट्रीय लोक अदालत में जिले के अधिकरणों एवं राजस्व न्यायालयों के राजीनामा योग्य लं बित प्रकरणों के साथ-साथ विवाद पूर्व प्रकरणों का निस्तारण भी किया जायेगा। पूर्व सुलहवार्ता के माध्यम से राजस्व न्यायालयों के राजीनामा योग्य प्रकरणों को अधिकाधिक लोक अदालत में रखे जाने एवं इनके निस्तारण हेतु जिले के राजस्व विभाग के नोडल अधिकारियों के साथ आज दिनांक को बैठक का आयोजन किया गया एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किये गए।

सचिव सोनी ने किया राजकीय संप्रेषण एवं किशोर गृह, अलवर का निरीक्षण, बच्चों के स्वास्थ्य कीजांच नियमित रूप से विजिट करने के दिए निर्देश

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश), अलवर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश) मोहनलाल सोनी अलवर के द्वारा मंगलवार को राजकीय संप्रेषण एवं किशोर गृह, अलवर आकस्मिक निरीक्षण किया गया। जहां निरीक्षण के दौरान रिकॉर्ड अनुसार कुल 17 बाल अपचारी उपस्थित पाए गए। मौके पर अधीक्षक, राजकीय संप्रेषण एवं किशोर गृह सहित 03 स्थायी व 02 अस्थाई कर्मचारी पाए गए। सोनी द्वारा अधीक्षक से बाल अपचारियों के प्रकरणों के संबंध में जानकारी प्राप्त की गई एवं आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। निरीक्षण के दौरान गृह के रिकॉर्ड का अवलोकन करने पर बाल समिति की बैठक 18 अप्रेल 2025 को एवं प्रबंध समिति की बैठक 24 मार्च 2025 को होना पाया गया। गृह के रिकॉर्ड का अवलोकन करने पर पाया गया कि माह मार्च के बाद से गृह में डॉक्टर विजिट नहीं की गई है, जिसके संबंध में सोनी द्वारा गृह में बच्चों की जांच हेतु नियमित रूप से विजिट करने के दिशानिर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान बाल अपचारियों को प्रदान की जा रही सुविधाओं एवं गृह की साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया गया। साथ ही सोनी द्वारा संप्रेषण गृह के परिसर में स्थित शिशु गृह का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कुल 05 बच्चे पाए गए। मौके पर सोनी द्वारा 01 बच्चे के उपचार हेतु दिल्ली ए स में उपचार कराने के संबंध में एवं गृह में आवासित बालकों की देखभाल आदि के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए।

विश्व पृथ्वी दिवस पर सचिव ने लगाया पौधा

इसके साथ ही विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर राजकीय संप्रेषण एवं किषोर गृह के परिसर में पौधारोपण कर विधिक जागरूकता शिविर के तहत सोनी एवं श्रीमती स्वाति पारीक, प्रिंसीपल मजि0 किशोर न्याय बोर्ड, अलवर द्वारा विधि से संघर्षरत बालकों एवं अन्य उपस्थितजनों को विश्व पृथ्वी दिवस की उपादेयता पर जागरूक करते हुए सोनी द्वारा बताया गया कि विश्व पृथ्वी दिवस के बारे में जानकारी दी गई। इसके साथ ही उपस्थितजनों को पेड लगाने, प्लास्टिक के इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाना, वन संरक्षण के लिए रैली निकालना, कागज की बर्बादी को कम करने के लिए जागरूक किया गया। इसके अतिरिक्त स्वाति पारिक द्वारा प्लास्टिक प्रदूषण से बचाव के उपाय बताते हुए कहा कि एकल-उपयोग प्लास्टिक की खपत को कम करना, पुनरू प्रयोज्य बैग, बोतलें और कंटेनरों का उपयोग करने, प्लास्टिक कचरे का उचित तरीके से निपटान करें, जब भी संभव हो पुनर्चक्रण करें, प्लास्टिक के विकल्प को बढावा देने वाली पहलों का समर्थन करना, प्लास्टिक प्रदूषण के प्रभाव के बारे में दूसरों को शिक्षित करना आदि के विषय में अवगत करवाया गया।

प्रदेशाध्यक्ष कच्छावा के निधन पर मंत्रालय कर्मचारी परिषद के पदाधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

जयपुर टाइम्स

अलवर(निसं.)। राजस्थान राज्य मंत्रालयिक कर्मचारी परिषद के प्रदेशाध्यक्ष रणधीर सिंह कच्छावा के मंगलवार को हुए असामयिक निधन पर मंत्रालय कर्मचारी परिषद के पदाधिकारियों ने श्रद्धांजलि अपित की। मंत्रालय कर्मचारी परिषद अलवर के जिलाध्यक्ष नंदलाल गुर्जर के नेतृत्व में मंगलवार को पदाधिकारी के द्वारा कच्छावा को 2 मिनिट का मौन रखकर श्रद्धांजलि प्रेषित की गई। श्रद्धांजलि सभा में सर्वश्री राजेश तिवाड़ी, के के शर्मा, आनंद, इंदौरिया, सागरमल, वीरेन्द्र शर्मा, लोकेश भाटी, मुकेश गुप्ता, संजय सिंह, अंकित शर्मा, कृष्णकांत आदि पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा 2025 में राजस्थान देश में अव्वल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.) राष्ट्रीय पोषण पखवाड़ा–2025 (8 से 22 अप्रैल) में राजस्थान ने देशभर में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। इस उपलब्धि पर मंगलवार को समेकित बाल विकास सेवाएं, जयपुर जिला उप निदेशक कार्यालय द्वारा जिला स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में महिला एवं बाल विकास विभाग के शासन सचिव महेन्द्र सोनी, निदेशक ओ.पी. बुनकर, अतिरिक्त निदेशक अनुपमा टेलर व उपनिदेशक अर्शदीप बरार उपस्थित रहे। शासन सचिव सोनी ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि राजस्थान के 15 जिले लक्ष्य से आगे चल रहे हैं और अंतिम तीन दिन इस उपलब्धि को बनाए रखने के लिए बेहद अहम हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लोक सेवक दिवस के अवसर पर टोंक जिले के पिपलू ब्लॉक की सराहना का उल्लेख किया, जहां आंगनबाड़ी के बच्चों की मापन दक्षता 20% से बढ़कर 99% हुई है। उन्होंने कहा कि सभी ब्लॉक्स को इस प्रकार उत्कृष्ट प्रदर्शन करना चाहिए और रियल टाइम डेटा अपलोड करने के साथ आंकड़ों की सत्यता सुनिश्चित करनी चाहिए। निदेशक बुनकर ने बताया कि बच्चों को पोषाहार देना पुण्य का कार्य है और पूरे समर्पण से किया जाना चाहिए। पिछले वर्ष राजस्थान चौथे स्थान पर था, जबकि इस बार शीर्ष पर है। महिला पर्यवेक्षकों, सीडीपीओ और आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को गर्भवती और धात्री महिलाओं में एनीमिया रोकथाम हेतु अभियान भाव से कार्य करने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में विभागीय कार्मिकों को सम्मानित किया गया और धात्री माताओं का स्वागत कर उनके बच्चों को अन्न प्राशन करवाया गया।

नगर निगम ग्रेटर सतर्कता शाखा की टीम द्वारा की गई कार्यवाही

54 हजार रूपये का किया कैरिंग चार्ज वसूल, 7 केन्टर सामान जब्त

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देशानुसार उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार शर्मा के नेतृत्व में मंगलवार को सतर्कता शाखा की टीम द्वारा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में बालाजी मोड़ अपेक्स सर्किल से हनुमान तिराहे तक, 07 नं. चौराहा, एनआरआई चौराहा, जीवन रेखा हॉस्पिटल के सामने, केपिटल मॉल के बाहर, कुम्भा मार्ग, हल्दीघाटी मार्ग, जेके लोन, बांगड़, एसएमएस, ट्रोमा सेन्टर, अम्बाबाडी मण्डी, दादी का फाटक, वार्ड नं. 15 9ए बस स्टैण्ड के पास, मुरलीपुरा पुलिया के नीचे, 200 फीट बाईपास के आस-पास से अस्थाई अतिक्रमण को करने वालों के विरूद्ध 54 हजार रूपये का कैरिंग चार्ज कर 07 केन्टर सामान जब्त किया गया। उपायुक्त सतर्कता अजय कुमार ने बताया कि नगर निगम ग्रेटर क्षेत्राधिकार में बालाजी मोड़ अपेक्स सर्किल से हनुमान तिराहे तक, 07 नं. चौराहा, एनआरआई चौराहा, जीवन रेखा हॉस्पिटल के सामने, केपिटल मॉल के बाहर, कुम्भा मार्ग, हल्दीघाटी मार्ग, जेके लोन, बांगड़, एसएमएस, ट्रोमा सेन्टर, अम्बाबाडी मण्डी, दादी का फाटक, वार्ड नं. 15 9ए बस स्टैण्ड के पास, मुरलीपुरा पुलिया के नीचे, 200 फीट बाईपास के आस-पास से अस्थाई अतिक्रमण हटवाया गया। उपरोक्त कार्यवाही के दौरान 07 केन्टर सामान जब्त कर गोदाम में भिजवाया गया व मौके पर अस्थाई अतिक्रमण करने वालों से मौके पर 54 हजार रूपये का केरिंग चार्ज वसूल किया गया तथा दौरे के दौरान कार्यवाही सतर्कता टीम द्वारा मौके पर समझाईश करते हुए मौखिक पाबंद करवाया कि भविष्य में अस्थाई अतिक्रमण समय से हटा ले अन्यथा नगर निगम जयपुर ग्रेटर के क्षेत्राधिकार में अवैध अतिक्रमण करने वालों के विरूद्ध भारी चालान या प्रभावी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

ओयो के खिलाफ कार्रवाई पर हाईकोर्ट की अंतरिम रोक, फर्जी बुकिंग मामले में मांगा जवाब

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान हाईकोर्ट ने होटल बुकिंग प्लेटफॉर्म ओरेवल स्टेज के खिलाफ दर्ज एफआईआर पर बड़ी राहत देते हुए दंडात्मक कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगा दी है। यह आदेश जस्टिस प्रवीर भटनागर की एकल पीठ ने ओयो की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। अदालत ने इस मामले में अन्य पक्षों से दो सप्ताह में जवाब प्रस्तुत करने को कहा है। मामले की शुरुआत जयपुर के समस्कारा रिसोर्ट की ओर से अशोक नगर थाने में दर्ज एक एफआईआर से हुई, जिसमें ओयो पर फर्जी बुकिंग दिखाकर अपने राजस्व को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाने का आरोप लगाया गया था। एफआईआर में कहा गया कि ओयो ने करीब 22.50 करोड़ रुपये की फर्जी बुकिंग रिसोर्ट में दर्शाई, जिसके आधार पर जीएसटी विभाग ने रिसोर्ट संचालक पर 2.66 करोड़ रुपये की टैक्स रिकवरी निकाल दी। रिसोर्ट का आरोप है कि ओयो ने इसी तरह प्रदेश के अन्य होटलों और रिसोर्ट्स में भी बोगस बुकिंग दर्शाकर अपनी वैल्यूएशन बढ़ाई, जिससे संबंधित संस्थानों को जीएसटी विभाग से भारी भरकम टैक्स रिकवरी नोटिस मिले हैं ओयो की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर और लिपि गर्ग ने अदालत को बताया कि समस्कारा रिसोर्ट पहले जीएसटी रिकवरी को लेकर हाईकोर्ट में अपील कर चुका था, जिसे मार्च में खारिज कर दिया गया। अपील खारिज होने के बाद रिसोर्ट संचालकों ने 9 अप्रैल को ओयो के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई, जो टैक्स दायित्व से बचने की एक रणनीति है। वकीलों ने यह भी दलील दी कि ओयो केवल एक बुकिंग प्लेटफॉर्म है जो कमीशन के आधार पर काम करता है। बुकिंग से संबंधित सारी रकम सीधे होटलों के पास जाती है, और टैक्स दायित्व भी उन्हीं पर लागू होता है। ऐसे में ओयो पर लगाए गए आरोप न केवल तथ्यहीन हैं, बल्कि बदनाम करने की कोशिश हैं। हाईकोर्ट ने सभी पक्षों को सुनने के बाद एफआईआर में किसी भी दंडात्मक कार्रवाई पर अंतरिम रोक लगाते हुए दो सप्ताह में जवाब मांगा है। मामले की अगली सुनवाई निर्धारित समय पर की जाएगी।

जयपुर में फार्मासिस्ट ने नशे का इंजेक्शन देकर महिला से किया रेप

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजधानी जयपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है, जहां एक फार्मासिस्ट ने इलाज के नाम पर विवाहिता को नशे का इंजेक्शन लगाकर कई बार उसका यौन शोषण किया। पीड़िता की शिकायत पर करणी विहार थाना पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। मामले की जांच थानाधिकारी महावीर सिंह द्वारा की जा रही है। पीड़िता ने रिपोर्ट में बताया कि वह करणी विहार क्षेत्र में अपने पति के साथ रहती है। अक्टूबर 2024 में तबीयत खराब होने पर पति ने पास ही रहने वाले फार्मासिस्ट को बुलाया। फार्मासिस्ट ने घर आकर ड्रिप और दवाई दी, जिससे उसकी तबीयत में सुधार हुआ। कुछ समय बाद दोबारा तबीयत बिगड़ी, उस समय पति घर पर नहीं थे, तब महिला ने आरोपी को दोबारा बुलाया। फार्मासिस्ट ने इलाज करते समय अपना मोबाइल नंबर भी दिया और कहा कि तबीयत खराब हो तो सीधे उसे कॉल करे। इसके बाद महिला ने ब्लड प्रेशर हाई होने पर कई बार उसे बुलाया।

राजस्थान में वनस्पति बीज बैंक की स्थापना हेतु राज्य स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की वर्ष 2024-25 की बजट घोषणा के क्रियान्वयन के तहत राजस्थान कृषि अनुसंधान संस्थान, दुर्गापुरा, जयपुर में राज्य स्तरीय एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य राज्य की 150 ग्राम पंचायतों में वनस्पति पौधों एवं घास की बीज प्रजातियों के संग्रहण, संरक्षण एवं विकास के लिए वनस्पति बीज बैंक की स्थापना को लेकर कार्य योजना बनाना रहा। मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने शिरकत की, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में जोबनेर स्थित कर्ण नरेंद्र कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह उपस्थित रहे। राज्य की विभिन्न पंचायतों से आए ग्राम विकास अधिकारी एवं बीज गुणी प्रतिनिधियों ने कार्यशाला में भाग लिया। कार्यक्रम की शुरुआत माँ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्वलन से हुई। कार्यशाला की रूपरेखा मृदा विज्ञान विभागाध्यक्ष डॉ. सुनील दाधीच ने प्रस्तुत की। संस्थान के निदेशक डॉ. हरफूल सिंह ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए अनुसंधान कार्यों की जानकारी दी। जलग्रहण विकास एवं भू-संरक्षण निदेशालय के निदेशक मोहम्मद जुनेद ने बीज बैंक की कार्यप्रणाली, उपयोगिता और इसके जरिये चरागाह विकास की दिशा में उठाए जा रहे कदमों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने इसे पशुधन और जल संरक्षण हेतु राज्य सरकार की ऐतिहासिक पहल बताया। FES के राज्य अध्यक्ष शांतनु सिन्हा ने संस्था द्वारा किए जा रहे चरागाह विकास के प्रयासों की जानकारी दी और बीज कैलेंडर के माध्यम से चारा फसलों के संग्रहण की प्रक्रिया समझाई। कुलपति डॉ. बलराज सिंह ने गिरते भूजल स्तर पर चिंता जताई और वनस्पतियों के संरक्षण व चारे की स्थायी व्यवस्था पर बल दिया। उन्होंने खींप, गुग्गल और कैर जैसी संकटग्रस्त प्रजातियों के संरक्षण की आवश्यकता बताई। मंत्री मदन दिलावर ने पर्यावरण संकट पर चिंता व्यक्त करते हुए पारंपरिक जल स्रोतों के पुनर्जीवन और वर्षा जल संचयन के माध्यम से पर्यावरण सुरक्षा का संदेश दिया। उन्होंने बताया कि मात्र 15 हेक्टेयर भूमि पर कंटूर ट्रेंच बनाकर 10 करोड़ लीटर वर्षा जल का संचयन किया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री महोदय ने नवीनीकृत मृदा विज्ञान भवन का लोकार्पण किया और संबंधित साहित्य का विमोचन भी किया। कार्यक्रम का समापन जलग्रहण निदेशालय के अतिरिक्त निदेशक आनंद सिंह द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। इस सफल आयोजन में ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग, जलग्रहण निदेशालय, कृषि अनुसंधान संस्थान व फाउंडेशन फॉर इकोलॉजिकल सिक्योरिटी (FES) की प्रमुख भूमिका रही।

पशुपालन विभाग ने लॉन्च किया देश का पहला एमवीयू चैटबॉट, मंत्री जोराराम कुमावत ने किया लोकार्पण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान पशुपालन विभाग ने "1962-एमवीयू राजस्थान" (चैटबॉट नंबर 9063475027) और इसकी प्रचार सामग्री का लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि पशुपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने कहा कि मोबाईल वेटरिनरी यूनिट्स (एमवीयू) पशुपालकों के लिए वरदान हैं और इनसे जुड़ा चैटबॉट देश में अपनी तरह का पहला नवाचार है, जिससे अन्य राज्य भी प्रेरणा लेंगे। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशा है कि पशुओं की चिकित्सा सुविधा पशुपालकों को उनके घर पर ही मिले। चैटबॉट के माध्यम से पशुपालक टेली कंसल्टेंसी से विशेषज्ञों की सलाह ले सकेंगे। इससे समय, श्रम और धन की बचत होगी। शासन सचिव डॉ समित शर्मा ने कहा कि व्हाट्सएप आधारित यह चैटबॉट विभागीय सेवाओं को एक प्लेटफॉर्म पर लाने की दिशा में क्रांतिकारी कदम है। बीते एक साल में 41 लाख से अधिक पशुओं को एमवीयू के जरिये चिकित्सा सेवाएं दी गई हैं। बीएफआईएल के कार्यकारी उपाध्यक्ष जे श्रीधरन ने विभाग के साथ मिलकर आगे भी नवाचार जारी रखने का आश्वासन दिया। बीएफआईएल द्वारा प्रचार-प्रसार की सामग्री सीएसआर के तहत तैयार की गई है, जिससे सरकार पर कोई अतिरिक्त भार नहीं पड़ेगा। आज से राज्यभर में जागरूकता अभियान शुरू हो रहा है। 10 लाख से अधिक पशुपालकों को एसएमएस भेजे जाएंगे, गांवों में डिजिटल वॉल ब्रांडिंग, ऑडियो प्रचार, पर्चे वितरण व साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी व पशुपालक कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

जीणमाता मंदिर के पुजारी पर यौन शोषण का आरोप, थाने का घेराव कर रहे लोग

जयपुर टाइम्स

सीकर(निसं.) प्रसिद्ध जीणमाता शक्तिपीठ के पुजारी महेंद्र पाराशर पर एक महिला ने यौन शोषण का गंभीर आरोप लगाया है। मामला सामने आते ही क्षेत्र में तनाव की स्थिति उत्पन्न हो गई। महिला की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। वहीं, पुजारी के समर्थन में ग्रामीणों ने थाने के बाहर प्रदर्शन करते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की। महिला ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उसके ससुरालवालों ने पुजारी से पैसे उधार ले रखे थे। पुजारी जब भी घर आता, वह उस पर गलत नजर रखता था। महिला ने आरोप लगाया कि ससुरालवालों के सहयोग से पुजारी ने उसके साथ अश्लील हरकतें कीं। इस मामले को लेकर तीन पक्ष सामने आए हैं। महिला की सास ने कहा कि उनकी बहू झगड़ालू प्रवृत्ति की है और आए दिन लोगों पर झूठे आरोप लगाती है। उन्होंने पुजारी को निर्दोष बताते हुए कहा कि वह जीणमाता मंदिर के सम्मानित पुजारी हैं और समाज में प्रतिष्ठित स्थान रखते हैं। थाना प्रभारी दलीप सिंह ने जानकारी दी कि महिला ने न केवल एफआईआर दर्ज कराई, बल्कि सोशल मीडिया पर भी पुजारी की छवि को नुकसान पहुंचाने वाले पोस्ट डाले। इसके चलते आईटी एक्ट के तहत भी मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुजारी महेंद्र पाराशर ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे अपनी प्रतिष्ठा को धूमिल करने की साजिश बताया। उन्होंने खुद को सामाजिक कार्यकर्ता बताते हुए कहा कि महिला ने सोशल मीडिया पर उनकी तस्वीरें और अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर उन्हें बदनाम करने का प्रयास किया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि दोनों परिवारों के बीच किसी प्रकार का आर्थिक लेन-देन नहीं हुआ है। फिलहाल पुलिस धरने पर बैठे लोगों को शांत करने का प्रयास कर रही है और मामले की निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया गया है।

जयपुर में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के 1 लाख 44 हजार 583 अपात्र व्यक्तियों ने किया 'गिव अप'

जिले में 1 लाख 42 हजार 787 नए पात्र व्यक्तियों को खाद्य सुरक्षा सूची में जोड़ा गया

जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देश पर 491 अपात्रों को नोटिस जारी

30 अप्रैल तक करें गिव अप नहीं तो होगी कार्रवाई, ब्याज सहित जुर्माना होगा वसूल

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने वाले अपात्र व्यक्ति के लिये खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने 'गिव अप' अभियान के तहत राजस्थान के 17 लाख 63 हजार से अधिक व्यक्तियों एवं जयपुर जिले में 1 लाख 44 हजार 583 अपात्र व्यक्तियों ने गिव अप किया है। वहीं, विभाग द्वारा राजस्थान में 20 लाख 80 हजार से अधिक नए पात्र व्यक्तियों एवं जयपुर जिले में 1 लाख 42 हजार 787 नए पात्र व्यक्तियों का नाम खाद्य सुरक्षा सूची में शामिल किया गया है। जिला रसद अधिकारी त्रिलोकचंद मीणा ने बताया कि जिला कलक्टर डॉ. जितेन्द्र कुमार सोनी के निर्देशानुसार जयपुर में गिव अप अभियान का सफल संचालन किया जा रहा है। जयपुर में योजना के 491 अपात्र व्यक्तियों को स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम हटवाने के लिए नोटिस जारी किया गया है। विभाग ने गिव अप अभियान को आगामी 30 अप्रैल, 2025 तक संचालित करने का फैसला किया गया है। उन्होंने बताया कि 30 अप्रैल 2025 तक स्वेच्छा से अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कार्यवाही नहीं की जायेगी। शास्ति की गणना 27 रुपये प्रति किलोग्राम के अनुसार खाद्य सुरक्षा सूची में नाम अंकित होने की तिथि से नाम हटाने की तिथि तक उप व्यक्ति द्वारा जितना खाद्यान्न प्राप्त किया गया है, अनुसार की जाकर मय ब्याज वसूली की जाएगी। जिला कलक्टर के निर्देशानुसार ऐसे कार्मिकों की सूचियां तैयार की जा रही हैं एवं ऐसे कार्मिकों के संबंधित विभागों को वसूली की राशि कार्मिक के मासिक वेतन से कटौती करने हेतु लिखा जावेगा। उन्होंने बताया कि गिव अप अभियान के अन्तर्गत खाद्य सुरक्षा सूची की निष्कासन श्रेणी में सम्मिलित परिवार यथा ऐसे परिवार जिनमें कोई भी एक सदस्य सरकारी, अर्द्ध सरकारी, स्वायत्तशासी संस्थाओं में नियमित कर्मचारी या अधिकारी हो अथवा 1 लाख रुपये वार्षिक से अधिक पेंशन प्राप्त करता हो अथवा जिसके सभी सदस्यों की कुल आय 1 लाख रुपये वार्षिक से अधिक हो या निजी चौपहिया वाहन धारक या आयकरदाता हो सम्मिलित है, को प्रेरित कर खाद्य सुरक्षा सूची से अपना नाम स्वेच्छा से पृथक करवाए जाने हेतु आवेदन करवाया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि जयपुर शहर में अब तक हजारों परिवारों द्वारा गिव अप अभियान के अन्तर्गत आवेदन कर अपना नाम खाद्य सुरक्षा सूची से हटवाया गया है।

कोटा में आयोजित -20 राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता में शामिल हुए खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़, खिलाड़ियों को किया सम्मानित

जयपुर टाइम्स

कोटा(निसं.) राजस्थान सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने मंगलवार को कोटा में आयोजित -20 राष्ट्रीय स्तरीय कुश्ती प्रतियोगिता 2025 में भाग लिया और प्रतिभावान खिलाड़ियों को सम्मानित किया। यह प्रतियोगिता रघुराई एंडो स्पोर्ट्स, नयापुरा, कोटा स्थित सीबी गार्डन के सामने आयोजित की गई थी। अपने कोटा प्रवास के दौरान कर्नल राठौड़ ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में चल रही खेलो को प्रोत्साहन देने वाली योजनाओं की सराहना की। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार की नीतियों से आज देश की खेल प्रतिभाओं को अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुंचने का अवसर मिल रहा है और युवा खिलाड़ियों में नई ऊर्जा का संचार हो रहा है। प्रतियोगिता में देशभर से आए युवा पहलवानों ने दमदार प्रदर्शन किया। कर्नल राठौड़ ने सभी प्रतिभागियों की सराहना करते हुए उन्हें उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने खेलों को अनुशासन, समर्पण और आत्मविश्वास का माध्यम बताते हुए युवाओं से जीवन में खेल भावना को अपनाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के अंत में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह एवं पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में खेल प्रेमी और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

राजस्थान के बीजेपी विधायकों को गुजरात में मिलेगी सुशासन की ट्रेनिंग, सीएम और मंत्रिमंडल भी होंगे शामिल

जयपुर टाइम्स

जयपुर/अहमदाबाद राजस्थान के भारतीय जनता पार्टी विधायकों को गुजरात में तीन दिवसीय सुशासन प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह ट्रेनिंग कैंप 5 मई से 7 मई तक अहमदाबाद के प्रवेग टेंट सिटी, नर्मदा में आयोजित होगा। पार्टी ने इस आयोजन को "सुशासन कॉन्फ्रेंस" नाम दिया है, जिसमें सत्ता-संगठन समन्वय, जनता की सेवा और सुशासन की अवधारणाओं पर गहन चर्चा की जाएगी। कॉन्फ्रेंस का शुभारंभ 5 मई को दोपहर 3 बजे होगा और समापन 7 मई को दोपहर बाद किया जाएगा। इस दौरान विभिन्न सत्रों में भाजपा की रीति-नीति, संगठनात्मक संरचना, जनसमस्याओं के समाधान और विधायकों की भूमिका जैसे विषयों पर मंथन होगा। सभी सत्रों में विधायकों की उपस्थिति अनिवार्य की गई है। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा इस कॉन्फ्रेंस में प्रमुख भूमिका निभाएंगे और कई सत्रों में संबोधन देंगे। उनके साथ राज्य सरकार के सभी मंत्री और बीजेपी विधायक इस शिविर में भाग लेंगे। पार्टी संगठन से जुड़े वरिष्ठ नेता भी विचार साझा करेंगे। भाजपा की यह कार्यशाला पिछले कुछ समय से प्रस्तावित थी, लेकिन विभिन्न कारणों से इसे आयोजित नहीं किया जा सका था। अब सरकार के गठन के बाद इसे प्राथमिकता के साथ आयोजित किया जा रहा है। तीन दिनों के दौरान सभी विधायकों के रहने और खाने-पीने की व्यवस्था प्रवेग टेंट सिटी में ही की गई है। कॉन्फ्रेंस के दौरान पहले दिन स्वागत सत्र होगा, जिसमें पूरी कार्यशाला की रूपरेखा रखी जाएगी। इसके बाद अलग-अलग विषयों पर केंद्रित सत्र होंगे, जिनमें विधायकों को सुशासन, जनसमस्या समाधान और सरकार-संगठन समन्वय पर प्रशिक्षित किया जाएगा। भाजपा पदाधिकारियों ने बताया कि इस प्रशिक्षण सत्र के बाद विधायकों के निजी सहायक और अन्य स्टाफ के लिए भी एक अलग ट्रेनिंग सेशन प्रस्तावित है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि विधायक और उनका स्टाफ पार्टी की विचारधारा के अनुरूप कार्य करें और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती मिले। इस प्रशिक्षण शिविर को भाजपा ने एक सशक्त प्रशासनिक प्रणाली की दिशा में अहम कदम माना है, जिससे विधायकों की कार्यशैली में कुशलता और जनता के साथ बेहतर समन्वय स्थापित हो सके।

शब्दों से पहले चुप्पियाँ थीं

शब्दों से पहले चुप्पियाँ थीं,
सिलवटों में सिसकती
बेटियाँ थीं।
किताबों में दर्ज़ थीं उम्मीदें,
मगर दीवारों में बंद इज़्ज़त
की तिज़ोरियाँ थीं।

अजमेर की गलियों में कोई
ताज नहीं गिरा था,
गिरे थे भरोसे, रिश्ते, और
आत्माएँ।
एक शहर था जहाँ इबादत
भी ख़ामोश थी,
और इश्क़, एक जाल की
भूमिका में था।

वे लड़कियाँ पढ़ती थीं, सपने
बुनती थीं,
लेकिन हमने उन्हें सिखाया
था–
"चुप रहो, सँभल कर चलो,
अपने ही डर को पवित्र
मानो।"

फिर आया इंस्टाग्राम–
एक नई मस्जिद, एक नया
मंदिर
जहाँ दोस्ती फॉलो से शुरू
होती थी,
और ब्लैकमेल में तब्दील हो
जाती थी।

स्क्रीन की रौशनी में उजाले
कम थे,
अंधेरे अब डिजिटल हो चुके
थे।
झूठे प्रोफाइलों के पीछे छिपे
थे
हज़ारों अशरीरी राक्षस–
बिना सींग, बिना पूँछ,
बस एक चैट और एक
क्लिक से वार करते।

लड़कियाँ फँसी नहीं थीं–
वे फँसाई गई थीं–
सिस्टम की चुप्पी, समाज
की नैतिकता,
और हमारी लाचार शिक्षा
नीति से।

स्कूलों ने पाठ पढ़ाए, पर
ना डर से लड़ने का पाठ
पढ़ाया,
ना इज़्ज़त के नाम पर
घुटने को ना कहने का
साहस।

कोई पूछे उस माँ से
जिसने बेटी को हवनकुंडों
की तरह पाला,
और फिर देखा–
कैसे संस्कार चुप हो गए
जब बेटी की इज़्ज़त ब्लूटूथ
पर घूमने लगी।

कोई पूछे उस प्रशासन से
जो 1992 में भी सोया था,
और अब 2025 में भी
न्याय की गाड़ी वही पुरानी
घिसी पटरियों पर खिसक
रही है।

क्योंकि बेटियाँ ग़लती नहीं
करतीं–
वे भरोसा करती हैं,
और यही भरोसा उनकी
सज़ा बन जाता है।

अब समय है–
कि परवरिश सिर्फ पर्दा न हो,
संस्कार सिर्फ चुप्पी न हो,
और शिक्षा सिर्फ अंकों का
अंबार न हो।
हमें चाहिए वो पाठ्यक्रम
जो कहे– "तुम दोषी नहीं,
तुम्हारे साथ जो हुआ, वह
अन्याय है।"

जब तक यह नहीं होगा–
शब्दों से पहले चुप्पियाँ होंगी,
और बेटियाँ–
फँसी नहीं, फँसाई जाती
रहेंगी।

प्रियंका सौरभ

फसलों में लगती आग: किसान की मेहनत का जलता सपना

हर साल जब रबी की फसल खेतों में सुनहरे रंग बिखेरती है और किसान की आंखों में सालभर की मेहनत की चमक उतरती है, तभी कहीं किसी गांव से धुएं का काला गुबार उठता है–फसल में लगी आग का। यह आग सिर्फ खेत को नहीं जलाती, यह किसान की आत्मा को भस्म कर देती है। भारत के ग्रामीण परिदृश्य में यह कोई नई घटना नहीं, बल्कि एक भीषण और बढ़ती हुई समस्या है जो नीतियों की लाचारी, तकनीकी उपेक्षा और प्रशासनिक सुस्ती की जिंदा मिसाल बन चुकी है।

आँकड़ों की सच्चाई और ज़मीनी हकीकत

राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के अनुसार, भारत में हर साल हज़ारों एकड़ की फसल आग की भेंट चढ़ जाती है। अकेले उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब और मध्य प्रदेश में अप्रैल से जून के बीच सैकड़ों घटनाएं सामने आती हैं। 2024 में पंजाब के बरनाला ज़िले में एक ही दिन में 50 से अधिक फसल अग्निकांड दर्ज किए गए थे। पर इन आँकड़ों के पीछे जो दर्द है, वह किसी सरकारी प्रेस रिलीज़ में दर्ज नहीं होता। किसान महीनों तक खेत में सुबह-शाम खटता है, उधारी में बीज, खाद, पानी और मजदूरी का इंतज़ाम करता है, और जब फसल तैयार होती है, तो एक चिंगारी सब खत्म कर देती है।

आग के कारण- चिंगारी कहाँ से आती है?

फसलों में आग लगने के कई कारण हैं। ग्रामीण इलाकों में बिजली वितरण प्रणाली इतनी जर्जर है कि खुले खेतों में तारों का गिरना आम बात है। गर्मियों में बढ़ा हुआ लोड और पुराने ट्रांसफार्मर शॉर्ट सर्किट को बढ़ावा देते हैं। खेतों के पास कूड़ा जलाना, बीड़ी-सिगरेट फेंकना, या आग से सूखी झाड़ियों की सफाई करना एक चिंगारी को आग में बदल देता है। कई बार आपसी दुश्मनी या जमीन के झगड़ों में जानबूझकर फसलों को आग लगा दी जाती है। अत्यधिक तापमान, तेज़ हवाएं और सूखी फसलें आग को तेजी से फैलाने में सहायक बनती हैं।

किसान के दिल की आग

बात सिर्फ मुआवज़े की नहीं है। जब कोई किसान देखता है कि उसका खेत, उसकी मेहनत, उसकी उम्मीदें जल रही हैं, तो वह भीतर से टूट जाता है। कई किसानों की आत्महत्याएं इसी आग के बाद दर्ज हुई हैं। हरियाणा के कैथल ज़िले में 2023 में एक किसान ने अपने खेत में आग लगने के बाद आत्महत्या कर ली थी। मुआवज़ा 10 हज़ार रुपए आया, पर घर में खाने को रोटी नहीं थी।

> हर साल हजारों एकड़ फसल आग में जलकर राख हो जाती है, जिससे किसानों की मेहनत, उम्मीदें और जीवन प्रभावित होते हैं। आग के मुख्य कारणों में बिजली की लचर व्यवस्था, मानवीय लापरवाही, आपसी दुश्मनी और जलवायु कारण शामिल हैं। सरकारी मुआवज़ा योजनाएं और फसल बीमा प्रक्रियाएं इतनी जटिल और असंवेदनशील हैं कि पीड़ित किसान को राहत नहीं, बल्कि और मानसिक पीड़ा मिलती है। लेख में तकनीक आधारित समाधान जैसे थर्मल सेंसर, फायर ब्रिगेड यूनिट, बिजली व्यवस्था का आधुनिकीकरण और किसानों की जागरूकता पर ज़ोर दिया गया है। फसल की आग केवल खेत नहीं जलाती, यह देश की खाद्य सुरक्षा और सामाजिक संरचना को भी राख कर देती है। समय रहते नीतिगत और तकनीकी हस्तक्षेप बेहद आवश्यक हैं।
>
> -डॉ.सत्यवान सौरभ

सरकार की नीतियाँ- राहत या औपचारिकता?

सरकारी मुआवज़ा योजनाएं खेत की जली भूमि के अनुसार तय होती हैं। लेकिन जमीन का निरीक्षण पटवारी और तहसीलदार करते हैं, जो अक्सर हफ्तों बाद आते हैं। छोटे किसानों को 4-5 हज़ार रुपये प्रति एकड़ मिलते हैं, वह भी महीनों बाद। फसल बीमा योजनाएं भी अधिकतर कागज़ी हैं। कई किसान न तो पॉलिसी की शर्तें समझते हैं और न ही दावे की प्रक्रिया। बीमा कंपनियां मौसम का डेटा दिखाकर दावा खारिज कर देती हैं–"आग तो मौसम का हिस्सा नहीं थी।"

समाधान क्या है?

अब वक्त है कि हम 'राहत' की बजाय 'रोकथाम' की बात करें। आधुनिक तकनीक जैसे थर्मल सेंसर, ड्रोन निगरानी और अलार्म सिस्टम फसलों में आग का पता समय रहते लगा सकते हैं। प्रत्येक ब्लॉक स्तर पर मोबाइल दमकल गाड़ियां और गांव स्तर पर स्वयंसेवी अग्निशमन दल गठित किए जाने चाहिए। खेतों में जाने वाली बिजली लाइनों को भूमिगत करना या उनके नियमित रखरखाव की जवाबदेही तय करनी चाहिए। खेतों के पास आग से संबंधित कार्य न करने, कूड़ा जलाने की रोकथाम, और फायर सेफ्टी प्रशिक्षण बेहद ज़रूरी है। जिन मामलों में साजिश या शरारत शामिल हो, वहां पुलिस तुरंत संज्ञान ले और मुकदमा दर्ज हो। फसल बीमा को आधार और मोबाइल से जोड़कर दावा प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाया जाए।

मीडिया की भूमिका- धुएं से परे देखना

मीडिया जब किसी फसल में आग की खबर दिखाता है, तो अक्सर दृश्यात्मक सनसनी होती है–जलते खेत, रोता किसान। लेकिन इसके बाद क्या? क्या कभी किसी चैनल ने यह दिखाया कि मुआवज़ा मिला या नहीं? पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया या नहीं? दोषी पकड़ा गया या मामला ठंडे बस्ते में चला गया? फसलों में लगती आग कोई प्राकृतिक आपदा नहीं, यह एक व्यवस्थागत विफलता है। और इस विफलता की जिम्मेदारी सिर्फ किसान पर नहीं, पूरे समाज पर है।

जो खेत जल रहे हैं, वह देश की थाली है

जब खेत जलता है, तो केवल किसान का नुकसान नहीं होता, वह पूरे देश की खाद्य सुरक्षा पर सवाल खड़ा करता है। यह आग उस थाली में पहुँचने से पहले ही अनाज को राख कर देती है। ज़रूरत इस बात की है कि हम किसान को सिर्फ "अन्नदाता" न कहें, बल्कि उसे सुरक्षा, सम्मान और तकनीक के संसाधन भी दें। फसलों में लगती आग अब चेतावनी है–अगर अब भी हम नहीं चेते, तो कल सिर्फ खेत नहीं जलेंगे, समाज की आत्मा भी राख हो जाएगी।

पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदोद्य

महात्मा गांधी ने कहा है कि पुराने वस्त्र पहनों पर नई पुस्तकें खरीदो,उन्होंने यह भी कहा कि पुस्तकों का महत्व रत्नों से कहीं अधिक है, क्योंकि पुस्तकें अंत:करण को उज्जवल करती हैं।मनुष्य के जीवन में अध्ययन जितना आवश्यक है उतना ही आवश्यक मनन और चिंतन भी है।पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे कलाम साहब ने कहा है कि एक पुस्तक कई मित्रों के बराबर होती है और पुस्तकें सर्वश्रेष्ठ मित्र होती हैं। शिक्षाविद चार्ल्स विलियम इलियट ने कहा कि पुस्तके मित्रों में सबसे शांत व स्थिर हैं, वे सलाहकारों में सबसे सुलभ और बुद्धिमान होती हैं और शिक्षकों में सबसे धैर्यवान तथा श्रेष्ठ होती हैं। केवल पुस्तक पढ़ना ही संपूर्ण मानवीय उद्देश्य ना होकर उससे प्राप्त ज्ञानामृत का मनन एवं चिंतन भी अत्यंत आवश्यक है। किसी भी पुस्तक का अध्ययन मनन एवं उस पर चिंतन मनुष्य के संस्कारों को परिष्कृत करता है एवं जीवन के उच्च आदर्शों को प्राप्त करने में सदैव सहायक सिद्ध होता है। अत: मनुष्य को सदैव निरंतर ज्ञानवर्धक पुस्तकों से न सिर्फ ज्ञान प्राप्त करना चाहिए अपितु उसका निरंतर मनन तथा चिंतन भी करना होगा तब जाकर हमारे संस्कार,संस्कृति एवं जीवन के उद्देश्य सफल होंगे। सच्चाई भी यही है कि पुस्तकें ज्ञान के अंत:करण और सच्चाईयों का भंडार होती है। आत्मभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम भी होती हैं। जिन्होंने पुस्तके नहीं पढी हैं या जिन्हें पुस्तक पढ़ने में रूचि नहीं है वे जीवन की कई सच्चाईयों से अनभिज्ञ रह जाते हैं। पुस्तकें पढ़ने का सबसे बड़ा फायदा यह होता है कि हम जीवन की कठिन परिस्थितियों से जूझने की शक्ति से परिचित हो जाते हैं,और समस्या कितनी भी बड़ी हो हम उससे जीतकर निजात पा जाते हैं। कठिन से कठिन समय पर पुस्तकें हमारा मार्गदर्शन एवं दिग्दर्शन करती है। जिन मनीषियों ने पुस्तक लिखी है और जिन्हें पुस्तकें पढ़ने का शौक है उन्हें ज्ञानार्जन के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं होतीहैं। हैं। निसंदेह पुस्तकें ज्ञानार्जन करने मार्गदर्शन एवं परामर्श देने में में विशेष भूमिका निभाती है। पुस्तकें मनुष्य के मानसिक, सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक,नैतिक, चारित्रिक, व्यवसायिक एवं राजनीतिक विकास में अत्यंत सहायक एवं सफल दोस्त का फर्ज अदा करती हैं।

संजीव ठाकुर, स्तंभकार

चिंतक,लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़,

प्राचीन काल से ही बच्चों तथा नौनिहालों के विकास के लिए पुस्तकें लिखे जाने का चलन तथा रिवाज रहा है। 'पंचतंत्र'तथा 'हितोपदेश' इसके बहुत बड़े उदाहरण हैं। पंचतंत्र,हितोपदेश में ज्ञानार्जन के लिए एवं संस्कृति सभ्यता और शिक्षा के उपयोग की बातें जो दैनिक जीवन में अत्यंत प्रभावशाली तथा उपयोगी होती है, लिखी गई हैं। और यही पुस्तकें इस देश की सभ्यता संस्कृति के संरक्षण तथा प्रचार प्रसार में अहम भूमिका निभाती आई है। इसी तरह की पुस्तकों ने ज्ञान का विस्तार भी किया है। विश्व की हर सभ्यता मे लेखन सामग्री का बड़ा ही महत्वपूर्ण योगदान रहा है। पुस्तकों के माध्यम से ही धर्म जाति संस्कृति एवं शिक्षा की मार्गदर्शिका से ही समाज आगे बढ़ा है। अच्छी किताबें अच्छे मार्गदर्शक तथा शिक्षित तथा अशिक्षित समाज को चेतना तथा सद्गुणों से संचारित करती है, व्यक्ति के अंदर मानसिक क्षमता का विकास भी होता है। ऐतिहासिक किताबें हमें इतिहास, धर्म, राजनीति, संस्कृति के अनेक पहलुओं से अवगत भी कराती है,जिससे व्यक्तित्व विकास में अत्यंत सहायता मिलती है। पुस्तकों के महत्व को देखते हुए डॉक्टर सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने कहा कि पुस्तके वह साधन है जिसके माध्यम से हम विभिन्न संस्कृति एवं समाज के बीच सेतु का निर्माण कर सकते हैं। पुस्तके वह मित्र होती हैं जो हर परिस्थिति तत्काल में सहायक होती है, और यही कारण है कि अनेक लोग गुरुवाणी, हनुमान चालीसा अभी अपने पास रखते हैं।

वर्तमान युग डिजिटल युग कहलाता है अब इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में प्रिंट मीडिया के स्थान पर अपने पैर जमा लिए हैं। इस डिजिटल युग में इंटरनेट का महत्व काफी बढ़ गया है। पहले हम बचपन में चंदा मामा, नंदन, बालभारती और अन्य किताबों से ज्ञान से लेकर मनोरंजन तक प्राप्त करते थे। आज इंटरनेट के बढ़ते बाजार की दिशा में युवक पुस्तकों को विभिन्न साइटों में खंगाल कर पढ़ लेते हैं। अब डिजिटल किताबें भी आ गई है साथ ही डिजिटल लाइब्रेरी भी धीरे-धीरे विकसित हो रही है। पर कई कंपनियां विविध किताबों को साइट पर प्रकाशित कर बच्चों के पढ़ने के लिए उपलब्ध करा रही हैं। इससे बड़ी संख्या में बच्चे पढ़ कर लाभान्वित हो रहे हैं। इस दिशा में भारत सरकार तथा राज्य सरकारों द्वारा डिजिटल कार्यक्रमों के अंतर्गत ई शिक्षा तथा ई पुस्तकों के पुस्तकालयों के माध्यम से उपलब्ध कराई जा रही पठन सामग्रियां बच्चों की जिज्ञासा को शांत करने का काम कर रही है। डिजिटल किताबों तथा पुस्तकालयों से यह लाभ है कि देश विदेश में किसी भी भाग में रहकर लोग अपनी इच्छा के अनुसार पुस्तकों पत्रिकाओं आदि को पढ़ सकते हैं। इंटरनेट अब अध्ययन का सुलभ साधन बन गया है। पर दूसरी तरफ इससे कुछ नुकसान भी हो रहे हैं, उचित मार्गदर्शन वाली किताबें न पढ़कर भ्रामक पुस्तकों का अध्ययन कर अपने को दिग्भ्रमित कर रहे हैं और इससे बच्चों का भविष्य भी प्रभावित हो रहा है। इसके लिए छोटे बच्चों को अपनी निगरानी में इंटरनेट से किताबें पढ़ने के लिए प्रोत्साहित करना अन्यथा दिगभ्रमित साहित्य बच्चों की मानसिकता पर विकृत प्रभाव डाल सकता है।

इस प्रकार हम यह कह सकते हैं कि पुस्तकें ज्ञान देने के साथ मार्गदर्शन तथा चरित्र निर्माण का सर्वोत्तम साधन है। पुस्तकों से राष्ट्र की युवा कर्ण धारों को नई दिशा दी जा सकती है तथा एकता और अखंडता का संदेश देकर एक महान और सशक्त राष्ट्र की पृष्ठभूमि रखी जा सकती है।

सुख में दुख

ग जितना अपने दुख से दुखी होते हैं, उससे ज्यादा वे आमतौर पर दूसरों के सुख से दुखी रहते हैं। मसलन, अगर किसी के पास अधिक पैसा, संपत्ति और वैभव है और हमारे पास नहीं है तो हमें उसका सुख बर्दाश्त नहीं होता। जो हमारे पास है, उससे संतुष्ट रहने और खुश रहने के बजाय हम जो उसके बारे में सोच कर दुखी होते हैं, हमारे पास नहीं है। क्या यह नकारात्मक सोच नहीं है? यह सोचने की जरूरत है कि अगर हमारे सभी अंग चुस्त-दुरुस्त हैं और हम पूरी तरह स्वस्थ हैं और कोई दवाई भी नहीं लेते, बढ़ी उम्र में भी अपने सारे शारीरिक और मानसिक कार्य कर लेते हैं तो हम भाग्यवान और सुखी हैं कि नहीं? अक्सर हम देखते हैं कि हमसे आधी उम्र के लोगों को रक्तचाप और मधुमेह है या फिर कोई असाध्य बीमारी है और उन्हें लगातार डॉक्टर और अस्पताल में चक्कर काटने पड़ते हैं। लेकिन हमारा ध्यान उन पर जाने के बजाय वैसे लोगों पर जाता है, जिनके पास वह सब है जो हमारे पास नहीं है। यानी लोग अगर हमसे अधिक सुखी हैं तो कुछ लोग अधिक दुखी भी तो हैं। लेकिन हम सुखी लोगों की ओर ही देखते हैं, दुखी की ओर नहीं। यह असंतुलित दृष्टिकोण है और इसे सुधारे जाने की जरूरत है। वरना हमारा व्यक्तित्व ही बिगड़ जाएगा। दूसरे की कमीज हमारी कमीज से अधिक सफेद हो तो हम परेशान होते हैं और यह हमें बर्दाश्त नहीं होता। हम अपनी कमीज को भी उतनी ही सफेद करने की कोशिश क्यों नहीं करते? जो मुमकिन है और हो सकता है वह हम जरूर करें। हम वजन तो कम कर सकते हैं, पर कद और लंबाई मनमाने तरीके से नहीं बढ़ा सकते। यह मूल फर्क हमें समझना चाहिए। किसी से कुढ़ कर तो हम अपना अहित करते हैं। इससे हमारी कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। साहस और मनोबल क्या चीज है इसका जीता जागता प्रमाण मुझे एक दिन देखने का अवसर मिला। मेरे घर के सामने मालिश केंद्र है, जहां हाथ-पैर की मोच और चोट के लिए लोग आते है। एक दिन एक ऐसा व्यक्ति रिक्शे में आया, जिसका बायां पैर घुटने के नीचे से पूरा कटा हुआ था, जिसमें उसे मालिश करवा कर लेप लगवाना था। वह वॉकर के सहारे नीचे उतरा और अपने साथी के साथ मालिश के लिए गया। फिर उसी तरह वापस आया और जाने लगा। मैंने उससे पूछा कि उसके साथ क्या दुर्घटना हुई, जिसके कारण उसे पैर कटवाना पड़ा। उसने कहा कि करीब पंद्रह साल पहले एक रेल दुर्घटना में उसका आधा पैर कट गया था, तब से बिना शिकवे के वह इसी तरह अपना जीवन बिता रहा है। जब लोग इस जीवट और स्वाभिमान के साथ जीते हैं तो फिर तंदुरुस्त और सक्षम व्यक्ति क्यों दूसरों को देख कर कोफ्त में अपना ही जीवन कष्टप्रद बनाते हैं? इसी तरह एक महिला बचपन से दृष्टिबाधित हैं और पिछले बीस वर्षों से अपने सारे काम खुद कर रही है। फिजियोथेरेपी भी करती हैं और कम्प्यूटर भी बखूबी चलाती हैं। जब लोग कष्ट में रहते हुए और दुखी होकर भी खुश रहते हैं तो हम सक्षम होकर भी क्यों दुखी होते हैं? एक व्यक्ति के दोनों पैर नहीं है। वह भी हम्मालों के बीच ट्रकों पर रस्सी फेंकने का काम करके अपनी आजीविका चलाता है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जो टूटे नहीं और हिम्मत से जीते रहे। जरूरी यह है कि हम अपनी क्षमता का आकलन करें और उसका पूरा दोहन करें। लक्ष्य निर्धारित करें और उसे प्राप्त करने के लिए सौ फीसदी योगदान दें। खुद की खूबी को पहचाने और उसका पूरा इस्तेमाल करें। जो कर सकते हैं उसे पूरी शिद्दत से करें। शंकाओं को दिमाग से निकाल दें। आखिर ऐसा क्यों है कि हमें लोगों को दुखी देखने में कोई हर्ज नहीं लगता है और जब किसी को सुखी देखते हैं तो अपने दुखी होने के बारे में सोचने लगते हैं! हम औरों को तो देखते हैं, पर खुद को नहीं देखते। सबसे मेल मुलाकात भी करते हैं, पर हमारी कभी खुद से मुलाकात ही नहीं होती। अकेले में कभी खुद से भी अगर मुलाकात करें और गौर करें कि हमने क्या किया और क्या नहीं किया, क्या खोया और क्या पाया। यह तभी संभव है जब हम पूरी एकाग्रता से आत्मनिरीक्षण और आत्मविश्लेषण करें। साहस के साथ अपने भीतर की ताकत और हौसले की पहचान भर करने की जरूरत है। काम मुश्किल जरूर है, पर नामुमकिन नहीं। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि जिंदगी में सबको सभी कुछ नहीं मिलता। किसी शायर की ये पंक्तियां याद आती है- कभी किसी को मुकम्मल जहां नहीं मिलता, कहीं जमीन तो कहीं आसमां नहीं मिलता'! जो हमारे पास है और हमें मिला है, उसी का पूरा आनंद लेना चाहिए। इधर-उधर देख कर दुखी क्यों हों!

भारत के लिए ऑस्कर जीतना चाहते हैं बाबिल

बाबिल खान अपने पिता और दिग्गज अभिनेता इरफान खान के नक्शेकदम पर चलते हुए बॉलीवुड में अपना एक अलग मुकाम बनाने की राह पर हैं। हालांकि, बाबिल अपने पिता इरफान खान को ये बताने से भी डरते थे कि वो एक्टिंग में जाना चाहते हैं। क्योंकि बाबिल को डर था कि उनके पिता इतने महान और बड़े कलाकार हैं और कहीं अगर बाबिल असफल हो गए, तो क्या कहेंगे। जबकि इरफान खान भी अपने बेटे के एक्टिंग डेब्यू को लेकर डरे हुए थे। बाबिल ने एक इंटरव्यू में अपने करियर और अपने पिता इरफान खान को लेकर काफी बातें कीं। बाबिल ने यूके से सिनेमेटोग्राफी का कोर्स किया है। उन्होंने बताया, मैं यूनिवर्सिटी से वापस आकर बाबा के साथ समय बिताने वाला था। मुझे वाकई नहीं लगा कि वह जाएंगे, मां को भी लगा कि वह 100 प्रतिशत ठीक हो जाएंगे। उन्होंने अपने कैंसर को हराया और फिर चले गए। उन्हें इस दुनिया को छोड़ना पड़ा क्योंकि कीमो ने उनके शरीर को नष्ट कर दिया था। उन्होंने कैंसर को हराया, इसलिए यह भी एक खूबसूरत बात है कि उन्होंने अपनी आखिरी चुनौती पूरी की। पिता के अलावा बाबिल ने अपने एक्टिंग और अपने सपने को लेकर भी बात की। बाबिल ने कहा, मैं भारत में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का ऑस्कर ट्रॉफी लाना चाहता हूं। मैं खुद को एक अभिनेता के तौर पर साबित करना चाहता हूं। तब मैं अभिनय से एक कदम पीछे हटकर संगीत की खोज कर पाऊंगा। हालांकि, उन्होंने ये भी कहा कि वो किसी भी एक ही पेशे में नहीं बंधे रहना चाहते हैं। उन्होंने कहा, कभी-कभी हम पहले से ही तय कर लेते हैं कि हमें जीवन में क्या करना है। मैं सिर्फ 26 साल का हूं, मैं यह कहकर खुद पर दबाव नहीं डालना चाहता कि मैं अपने जीवन के बाकी हिस्सों में यही करूंगा।

लॉग आउट में नजर आएंगे बाबिल

बाबिल जल्द ही जी5 की फिल्म 'लॉग आउट' में नजर आएंगे। इसमें वह एक सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर की भूमिका में हैं, जिसका जीवन तब अस्त-व्यस्त हो जाता है जब वह अपना फोन खो देता है, ये युवा वयस्क क्षेत्र में अधिक हैं। बाबिल ने कहा कि असल में वह 'लॉगआउट' के अपने किरदार से बिल्कुल अलग हैं। जिसका जीवन सोशल मीडिया और उसके फोन के इर्द-गिर्द घूमता है, वह अब दोस्तों के साथ ऑफलाइन कनेक्शन के बारे में अधिक सोचता है।

इस वेब सीरीज में साथ नजर आएंगे सोनाली बेंद्रे और अली फजल

पाताल लोक के निर्देशक प्रोसित रॉय एक नई वेब सीरीज लेकर आ रहे हैं। वेब सीरीज के मेकर्स ने जानकारी दी है कि अली फजल और सोनाली बेंद्रे इस सीरीज में नजर आएंगे, जिसकी शूटिंग दिल्ली में शुरू हो गई है। यह वेब सीरीज वास्तविक जीवन के दो अपराधियों रंगा-बिल्ला पर आधारित होगी। टीम ने यह भी जानकारी दी कि सीरीज में उनकी हत्याओं के बाद की घटना संवेदनशील तरीके से दिखाई जाएगी। उन्होंने बताया कि इस सीरीज का मुख्य उद्देश्य है कि रंगा-बिल्ला मामले ने दिल्ली को कितनी गहराई से प्रभावित किया था। हालांकि, आपको बताते चलें कि अभी तक वेब सीरीज के नाम की आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है।

एक नजर प्रोसित रॉय की ओर

निर्देशक प्रोसित रॉय की बात करें तो इससे पहले उन्होंने पाताल लोक का निर्देशन किया था, जिसमें जयदीप अहलावत ने शानदार भूमिका निभाई थी। इसके अलावा उन्होंने कई फिल्मों में भी बतौर सह-निर्देशक और मुख्य निर्देशक की भूमिका अदा की है।

अली फजल और सोनाली बेंद्रे का वर्कफ्रंट

अगर अली फजल के वर्कफ्रंट की बात करें तो अभिनेता अनुराग बसु के निर्देशन में बन रहे रोमांस ड्रामा मेट्रो में नजर आएंगे। वहीं, इस अभिनेता सनी देओल अभिनीत लाहौर 1947 में भी नजर आएंगे । इसके अलावा अगर सोनाली बेंद्रे के वर्कफ्रंट की बात करें तो उन्हें आखिरी बार बी हैप्पी फिल्म में देखा गया था, जो ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इसमें मुख्य भूमिका में अभिषेक बच्चन थे।

एक्स बॉयफ्रेंड के साथ शॉर्ट फिल्म में नजर आएंगी पवित्रा पुनिया

पवित्रा पुनिया इन दिनों एक बार फिर चर्चा में हैं। जल्द ही उनकी एक शॉर्ट फिल्म 'नफज' रिलीज होगी। इस फिल्म में उन्होंने अपने एक्स बॉयफ्रेंड के साथ काम किया है। शॉर्ट फिल्म 'नफज' को दलजीत कौर ने प्रोड्यूस किया है। इसमें लीड रोल में पवित्रा पुनिया और एजाज खान हैं। एजाज से पवित्रा का ब्रेकअप साल 2024 में हुआ। अब एजाज और पवित्रा की शॉर्ट फिल्म रिलीज हो रही है लेकिन ब्रेकअप के चलते ये दोनों इसके प्रमोशन का हिस्सा शायद ही बने। हाल ही में बातचीत में एजाज खान ने बताया कि उन्होंने यह शॉर्ट फिल्म तीन साल पहले शूट की थी। एजाज का कहना था, 'हमने ये तीन साल पहले शूट किया था, इससे ज्यादा मैं इस बारे में कुछ नहीं कहना चाहता हूं। प्रोड्यूसर दलजीत से जाकर पूछो।' पवित्रा पुनिया ने अब तक इस शॉर्ट फिल्म के बारे में कुछ नहीं कहा है। प्रोड्यूसर दलजीत ने भी एक एंटरटेनमेंट पोर्टल को बताया कि शॉर्ट फिल्म 'नफज' में एजाज और पवित्रा की केमिस्ट्री काफी अच्छी है। पवित्रा और एजाज की मुलाकात 'बिग बॉस 14' में हुई। इस शो में ही ये दोनों करीब आए। शो से बाहर आने के बाद अपने रिश्ते को पब्लिक भी किया।

मुझे गर्व है कि मैं वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं

फिल्म के साथ टेलीविजन और म्यूजिक वीडियो के लिए काम करने वाली अभिनेत्री ईशा मालवीय हर भूमिका को जुनून के साथ निभाती हैं। अभिनेत्री ने बात की। उन्होंने बताया कि स्क्रीन पर कोई भी किरदार निभाने में उन्हें खुशी मिलती है। ईशा ने कहा कि उन्हें गर्व है कि वह वर्सेटाइल अभिनेत्री हैं। इस बारे में पूछे जाने पर कि उन्हें काम के दौरान क्या मुश्किल लगता है, खुद से बिल्कुल अलग किरदार निभाना या अभिनेत्री से मिलता-जुलता किरदार निभाना, ईशा ने बताया, मुझे काम से एक अलग तरह की खुशी मिलती है और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ता है। मुझे गर्व महसूस होता है कि मैं एक वर्सेटाइल अभिनेत्री हूं, जो कोई भी भूमिका निभा सकती है। ईशा ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो, किसी भी किरदार को निभाते समय मेरे मन में कभी दूसरे विचार नहीं आए। मैं बस काम पर फोकस करती हूं। 21 वर्षीय अभिनेत्री ने कहा कि इंडस्ट्री में उनसे बेहतर काम की अपेक्षाएं की जाती है। हालांकि, यह उनके लिए अच्छा है और वह इससे दबाव महसूस नहीं करती हैं। उन्होंने कहा, मैं काम को लेकर खुद पर प्रेशर नहीं लेती क्योंकि मेरा मानना है कि हम सभी को खुश नहीं कर सकते। इसलिए दूसरों के सामने कुछ साबित करने के लिए काम करना मेरा तरीका नहीं है। मैं अपने लिए काम करती हूं। मेरे लिए, एक स्पष्ट लक्ष्य होना बहुत जरूरी है। इसके बिना, कोई दिशा नहीं है। मैं हमेशा ध्यान में रखती हूं कि मैं क्या हासिल करना चाहती हूं, चाहे वह अगले 30 दिनों में हो, 30 महीनों में या फिर 30 सालों में। यही स्पष्टता मुझे आगे बढ़ने में मदद करती है। ईशा ने साल 2021 में टेलीविजन शो उड़ारियां से अभिनय की शुरुआत की थी, जिसमें उनके किरदार का नाम जैस्मीन रहता है। शो में उनके साथ अभिनेता अंकित गुप्ता और प्रियंका चाहर चौधरी भी मुख्य भूमिकाओं में थे।

प्रियंका चाहर ने ब्रेकअप की अफवाहों के बीच रिश्ते में आए बदलाव पर की बात

अभिनेत्री प्रियंका चाहर चौधरी ने बॉम्बे टाइम्स फैशन वीक में नियारा इंडिया के लिए रैंप वॉक किया। इस इवेंट में वह बेहद खूबसूरत और आकर्षक दिखीं, उन्होंने एक शानदार ब्लैक ड्रेस पहनी थी। फैशन में हुए बदलाव के बारे में पूछे जाने पर प्रियंका ने कहा कि उनके अनुसार, चाहे रिश्तों की बात हो या फैशन की, विकास करना हमेशा अच्छा होता है। उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि विकास करना हमेशा अच्छा होता है, बदलाव हमेशा अच्छे होते हैं। बदलाव के लिए आगे बढ़ना पड़ता है। इसलिए, निश्चित रूप से बदलाव अच्छी बात है, चाहे रिश्तों में बदलाव हो या फैशन में बदलाव हो। अभिनेता अंकित गुप्ता के साथ उनके ब्रेकअप की खबरों के बीच उनका यह बयान आया है। अटकलबाजी को और हवा देते हुए, अंकित ने हाल ही में शो तेरे हो जाएं हम से बाहर निकलने की घोषणा की। इस शो में वह मुख्य भूमिका में हैं। प्रियंका और अंकित पहली बार शो उड़ारियां में साथ नजर आए थे और प्रशंसकों के पसंदीदा बन गए थे। बाद में ये दोनों लोकप्रिय रियलिटी शो बिग बॉस 16 में एक साथ दिखाई दिए, जहां वह अभूतपूर्व परिस्थितियों में एक-दूसरे का समर्थन करते नजर आए। शो से बाहर निकलने के बाद, उन्होंने कई म्यूजिक वीडियो में साथ काम किया। इंस्टाग्राम पर प्रियंका और अंकित द्वारा एक-दूसरे को अनफॉलो करने के बाद उनके ब्रेकअप की अटकलें शुरू हो गईं। पुरानी यादों को ताजा करते हुए प्रियंका ने बातचीत में अंकित के साथ अपनी केमिस्ट्री के बारे में बताया था, जिसे दर्शक खूब पसंद कर रहे थे। प्रियंका ने कहा था, मुझे लगता है कि हम बहुत सच्चे हैं। मुझे लगता है कि यही एक खासियत है, जिसकी वजह से हम एक-दूसरे से जुड़े हैं। हम बहुत सामान्य हैं। हमें दिखावा करना नहीं आता, शायद यही बात हमें जोड़े रखती है। प्रियंका ने कहा, हम दोनों में कोई सेलिब्रिटी वाइब नहीं है, हम दोनों में ऐसा नहीं है कि हम बहुत सामान्य हैं और यही हमें जोड़े रखता है। यही कुछ ऐसा है जो हमें उन लोगों से जोड़े रखता है जो हमसे प्यार करते हैं।

सोहेल खान की नई फिल्म में नजर आएंगे संजय दत्त और आयुष शर्मा

पिछले कुछ वर्षों सोहेल खान ने औजार, प्यार किया तो डरना क्या, हैलो ब्रदर, मैंने दिल तुझको दिया, जय हो और फीकी अली जैसी कई फिल्मों का निर्देशन किया है। पिछले एक दशक से फिल्म निर्माता शेर खान पर काम कर रहे हैं, जिसका नेतृत्व उनके भाई सलमान खान करेंगे। हालांकि, अब सोहेल एक और फिल्म की ओर बढ़ रहे हैं, जो कॉमेडी जॉनर की बताई जा रही है। ताजा रिपोर्ट्स के मुताबिक, सोहेल ने इस फिल्म में संजय दत्त और आयुष शर्मा को लिया है।

कॉमेडी फिल्म का निर्माण कर रहे सोहेल

संजय दत्त और आयुष शर्मा, सोहेल खान द्वारा निर्देशित एक नई कॉमेडी फिल्म में नजर आएंगे। इस अनाम प्रोजेक्ट संजय दत्त एक बड़े किरदार में और आयुष शर्मा अभिनेता संजय दत्त के साथ स्क्रीन साझा करेंगे। संजय और सोहेल के बीच पहले ही कई मीटिंग हो चुकी हैं और दोनों इस कहानी पर सहयोग करने के लिए उत्साहित हैं। कब शुरू होगी फिल्म की शूटिंग इस फिल्म के जरिए संजय और सोहेल दूसरी बार साथ काम करेंगे। इससे पहले दोनों ने मैंने दिल तुझको दिया के लिए हाथ मिलाया था। फिल्म अभी भी प्री-प्रोडक्शन में है और संभवतः 2025 की दूसरी छमाही में फ्लोर पर आएगी। रिपोर्ट्स के अनुसार, यह आज की संवेदनाओं के अनुसार बनाई गई फिल्म है। फिल्म में गैंगस्टर शैली की झलक है और यह पंजाब में सेट है। जल्द ही एक स्टूडियो भी बनने की संभावना है। सोहेल खान अपने भाई सलमान खान के लिए अपने ड्रीम प्रोजेक्ट शेर खान पर काम कर रहे हैं, लेकिन यह प्रोजेक्ट अभी तक शुरू नहीं हुआ है।

रणबीर कपूर की इमेज बदलने वाले डायरेक्टर संग फिल्म करेंगे राम चरण

साउथ के मशहूर एक्टर राम चरण इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म 'पेद्दी' को लेकर चर्चा में हैं। 'पेद्दी' के अलावा वह एक और फिल्म करने वाले हैं। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि वह एक नामी डायरेक्टर के साथ अपनी अगली फिल्म करेंगे। फिल्म 'एनिमल', 'अर्जुन रेड्डी' और 'कबीर सिंह' जैसी फिल्म बनाने वाले निर्देशक के साथ राम चरण फिल्म करने वाले हैं। राम चरण के फैंस यह जानकर खुश हैं कि वह निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ फिल्म करेंगे। संदीप रेड्डी वांगा अपनी फिल्मों में हीरो को अलग अंदाज में दिखाने के लिए जाने जाते हैं। रणबीर कपूर को 'एनिमल' में संदीप ने एक अल्फा मेल के रोल में दिखाया। इन दिनों संदीप रेड्डी वांगा प्रभास के साथ एक साउथ इंडियन फिल्म 'स्पिरिट' में व्यस्त हैं। वहीं राम चरण अपनी फिल्म

कृषि महाविद्यालय जोबनेर में ग्राफ्टिंग तकनीकी पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया

ग्राफ्टिंग तकनीक: मृदा जनित समस्याओं से निपटने का रसायन मुक्त समाधान - कुलपति डॉ. बलराज सिंह

ग्राफ्टिंग तकनीक से होगी रोगमुक्त खेती और बढ़ेगा उत्पादन- डॉ बलराज सिंह

पर्यावरण अनुकूल खेती की ओर एक कदम ग्राफ्टिंग - डॉ बलराज सिंह

श्री कर्ण नरेंद्र कृषि महाविद्यालय, जोबनेर में विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. बलराज सिंह द्वारा एक विशेष व्याख्यान में फलों और सब्जियों में ग्राफ्टिंग तकनीक की महत्ता पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला स्नातक और स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए आयोजित किया गया जिसमें उन्होंने ग्राफ्टिंग तकनीक के विविध पहलुओं, वैज्ञानिक दृष्टिकोण, और इसके लाभों पर गहन जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि परंपरागत खेती में लगातार बढ़ते रोगों और कीटों के प्रकोप से जहां किसान परेशान हैं, वहीं सब्जियों में अब ग्राफ्टिंग (कलमबंदी) तकनीक से रोगमुक्त पौधों के उत्पादन का सशक्त माध्यम बनती जा रही है। विशेष रूप से सोलेनेसी (जैसे टमाटर, बैंगन, मिर्च) और कुकुर्बिटेसी (जैसे खीरा, तरबूज, ककड़ी) कुल की सब्जियों में यह तकनीक काफी कारगर सिद्ध हो रही है।

ग्राफ्टिंग क्या है?

ग्राफ्टिंग एक वैज्ञानिक विधि है जिसमें एक उच्च गुणवत्ता वाली किस्म के पौधे के ऊपरी भाग (साँकुर) को एक रोगरोधी मूलवृंत (रूटस्टॉक) पर लगाया जाता है। इस तकनीक से उत्पादित पौधे न केवल रोगों से मुक्त होते हैं, बल्कि अधिक उपज और बेहतर गुणवत्ता भी देते हैं।

उन्होंने बताया कि मृदा जनित समस्याएं जैसे नीमेटोड्स, फंगस, जीवाणु, मृदा लवणता, तथा कीटों जैसे थ्रिप्स, फल मक्खी, एफिड्स ,माइट्स और लीफ माइनर, फसलों के उत्पादन को गंभीर रूप से प्रभावित करते हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए पारंपरिक उपाय जैसे

1. प्रतिरोधक किस्मों का उपयोग
2. मृदा सोलराइजेशन
3. रासायनिक नियंत्रण
4. जैव नियंत्रण

इत्यादि सभी तकनीकियों के बावजूद भी मुख्यरूप से संरक्षित खेती के अंतर्गत कीट व्याधियों के प्रभावी नियंत्रण और उत्पादन में आशातीत लाभ प्राप्त नहीं हो पा रहा है इसलिए सब्जियों में ग्राफ्टिंग तकनीक अधिक प्रभावी सिद्ध हो रही है ।

ग्राफ्टिंग -कुलपति डॉ बलराज सिंह ने बताया कि ग्राफ्टिंग तकनीकी फल और सब्जियों में मृदा जनित समस्याओं से निपटने के लिए सफल और रसायन मुक्त उपाय हैं। विशेष रूप से यह सोलनेसी और कुकुरबिटेसी फैमिली में बैक्टीरियल विल्ट, फ्यूजेरियम विल्ट, वर्टिसिलियम विल्ट तथा जड़ गाँठ सूत्रकृमि (निमेटोड) जैसे मिट्टी जनित रोगों के प्रति प्रतिरोधी होती हैं। साथ ही, ये पौधे खारे पानी, सूखा, तापमान में उतार-चढ़ाव जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों को भी सहन करने में सक्षम होते हैं। उन्होंने बताया कि इन सभी के मुकाबले ग्राफ्टिंग एक प्रभावी और पर्यावरण के अनुकूल तकनीक के रूप में उभरी है।

ग्राफ्टिंग की प्रक्रिया में दो मुख्य घटक होते हैं - रूटस्टॉक और सायन । डॉ. सिंह ने बताया कि रूटस्टॉक का चयन करते समय निम्नलिखित मापदंडों का ध्यान रखना आवश्यक है

1. रूटस्टॉक उसी फैमिली का हो, जिसकी फसल उगाई जा रही हो,
2. उसे मृदा जनित रोगों जैसे फंगस, नेमाटोड्स, और लवणता के प्रति प्रतिरोधक होना चाहिए,
3. रूटस्टॉक और सायन में आपसी अनुकूलता होनी चाहिए,
4. दोनों का समान विकास आवश्यक है,

और सबसे महत्वपूर्ण, यह तकनीक फलों की गुणवत्ता पर नकारात्मक प्रभाव न डाले।

डॉ. बलराज सिंह ने बताया कि ग्राफ्टिंग के अनेक लाभ हैं, जिनमें शामिल हैं -

*फसलों की रोग प्रतिरोधक क्षमता में वृद्धि,
*उत्पादन में सुधार,
*जल और पोषक तत्वों का कुशल उपयोग और
*मृदा की जैविक गुणवत्ता में वृद्धि।

इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों को ग्राफ्टिंग किए गए कुछ सैम्पलिंग्स भी दिखाए, जैसे टमाटर, मिर्च और बैंगन, ताकि वे इस तकनीक को व्यवहारिक रूप से समझ सकें।

कार्यशाला के अंत में कुलपति डॉ बलराज सिंह ने कहा, "आज की कृषि को रसायन मुक्त और पर्यावरण अनुकूल दिशा में ले जाने के लिए ग्राफ्टिंग सबसे सशक्त समाधान है। यह तकनीक न केवल मृदा जनित समस्याओं को नियंत्रित करती है, बल्कि किसानों की आय और उत्पादकता बढ़ाने में भी सहायक सिद्ध हो रही है। इस कार्यक्रम में डॉ ओ पी गढ़वाल, डॉ बी एस बधाला, डॉ संतोष समोता, डॉ हीना सहिवाला, डॉ दीक्षा शर्मा मौजूद रहे तथा स्नातक और स्नातकोत्तर के 134 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

आपकी सुरक्षा आपके हाथ

शहर छोटे हों या बड़े अपराध की दर सभी में बढ़ रही है। यही कारण है कि आजकल शहरों में सिक्युरिटी का धंधा तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन हर कोई तो अपने घर के बाहर हथियारधारी सिक्युरिटी गार्ड नहीं खड़ा कर सकता। सवाल है ऐसे में अपनी सुरक्षा, विशेषकर घरों में रहने वाली महिलाएँ कैसे करें?

अगर आप रहती हैं फ्लैट्स में :

- फ्लैट के बाहरी दरवाजों की मजबूती की जाँच कर लें। दरवाजे अच्छी क्वॉलिटी के मटीरियल से बने हों यह सुनिश्चित करें। दरवाजे में अच्छी कंपनी का ऑटोमेटिक लॉकिंग सिस्टम लगा हो।
- कुछ लोग अपने घर को स्टाइलिश लुक देने के लिए बिना ग्रिल वाली खिड़कियाँ भी लगवाते हैं, लेकिन सुरक्षा की दृष्टि से यह अनुचित है क्योंकि इससे बच्चों के नीचे गिरने का खतरा रहता ही है, साथ ही खिड़की से कोई भी आपके घर के भीतर आसानी से पहुँच भी सकता है।
- सुनिश्चित करें कि फ्लैट के बाहर हमेशा अच्छी प्रकाश व्यवस्था हो। दरवाजे और सीढ़ियों के पास लाइट रात भर जलती हुई छोड़ दें। घर के बाहर की लाइट का स्विच आपके घर के भीतर होना चाहिए।
- अपने दरवाजे में मैजिक आई और चेन लॉक जरूर लगवाएँ ताकि कॉलबेल बजने पर आप आगंतुक को भीतर से पहचानने के बाद ही दरवाजा खोलें।
- रात को पैसेज में जीरो वॉट का बल्ब या सीएफएल जरूर जलने दें। अगर आप घर बंद करके कहीं बाहर जा रही हैं तो ड्राइंग रूम की लाइट जलती छोड़ दें। अगर लंबी छुट्टियों में कहीं बाहर जा रही हैं तो अपने निकटतम पड़ोसी और अपार्टमेंट के सिक्युरिटी गार्ड को इस बात की जानकारी जरूर दें कि आप कहाँ और कितने दिनों के लिए जा रही हैं, साथ ही उनसे अपने घर का विशेष रूप से ध्यान रखने को कहें।
- बाहर जाते वक्त अपनी बालकनी में कुछ पुराने कपड़े इस तरह फैला दें कि लगे कि वे सूखने के लिए फैलाए गए हैं, ताकि यह देखकर किसी अजनबी को इस बात की भनक न लगे कि आपके घर में कोई नहीं है।

रहती हों अगर बँगले में :

- आपके घर में लोहे का मजबूत गेट होना चाहिए, जिसकी ऊँचाई कम से कम साढ़े पाँच फुट हो, गेट के ऊपरी सिरे पर नुकीली भालेनुमा आकृति बनी हो ताकि कोई उस पर चढ़कर घर के भीतर न घुस सके। गेट में ऐसा लॉक लगा होना चाहिए जिसे सिर्फ अंदर से ही खोला जा सके। दूसरे दरवाजे और उनका लॉकिंग सिस्टम भी मजबूत होना चाहिए।
- बँगले की चहारदीवारी बहुत मजबूत होनी चाहिए और उसकी दीवारों के ऊपरी हिस्से पर लोहे के काँटेदार तारों का घेरा बना हुआ होना चाहिए ताकि कोई चोर आसानी से आपके घर की चहारदीवारी लाँघ न सके।
- अगर प्रकृति प्रेमी हैं तो दीवारों की बजाय बोगनवेलिया और जंगली गुलाब जैसी काँटेदार झाड़ियों से भी अपने घर की फेंस तैयार कर सकती हैं। इससे घर अवांछित तत्वों से तो सुरक्षित रहेगा ही इसके अलावा घर के आसपास की हरियाली और प्राकृतिक सुंदरता भी बढ़ जाएगी।

अगर रहती हैं फार्म हाउस में :

- मुख्यद्वार के बाहर गार्ड रूम होने के साथ साथ क्लोज सर्किट कैमरे की व्यवस्था जरूर होनी चाहिए ताकि अगर अपराधी या अनधिकृत व्यक्ति आपके घर के भीतर घुसने की कोशिश कर रहा हो, तो उसे आसानी से पहचाना जा सके।
- कुक, आया, ड्राइवर और माली आदि को नियुक्त करते समय उनका पुलिस वेरिफिकेशन जरूर करवाना चाहिए।
- फार्म हाउस में घर के भीतरी इलाके में सेंट्रल लॉकिंग सिस्टम की व्यवस्था रखें और रात को सोने से पहले इससे अपने घर को बंद कर दें। इससे एक ही रिमोट से पूरे घर के सभी दरवाजे लॉक हो जाते हैं, जिन्हें कोई दूसरा बाहर से नहीं खोल सकता।
- आपके घर में इमरजेंसी अलार्म सिस्टम होना चाहिए, जो आपके गार्ड रूम और पड़ोसियों के घर से जुड़ा हो ताकि आकस्मिक स्थिति में जब आप अलार्म का बटन दबाएँ तो लोग आपकी मदद के लिए आ सकें।
- पॉवर बैकअप की भी पूरी व्यवस्था होनी चाहिए ताकि कभी आकस्मिक रूप से बिजली चली जाए तो आपके घर की सुरक्षा को कोई खतरा पैदा न हो।

दलिया पुलाव

सामग्री : दलिया 1 कटोरी, अंकुरित गूँग 1 कटोरी, चौकोर टुकड़ों में कटा पनीर 50 ग्राम, बींस कटी 1 छोटी कटोरी, गाजर कटी 2, कटी हरीमिर्च 2, कटा टमाटर 1, कटी पालक 1 छोटी कटोरी, कटा फूलगोभी 1 कटोरी, तेल 1 टी स्पून, जीरा 1/4 चम्मच, हल्दी पावडर 1/2 चम्मच, नमक स्वादानुसार।

विधि : सूखी कड़ाही में दलिया भूनें। प्रेशर कूकर में तेल गरम करें, जीरा चटकाकर हल्दी पावडर डालें। अब सभी सब्जियाँ व नमक डालकर अच्छी तरह चलाएँ। पानी डालकर कूकर में दो सीटी आने तक पकाएँ। गरमा-गरम दलिया अचार के साथ सर्व करें।

जहाँ इंसानी रिश्ते सहेजे जाते हैं

हम चाहे जितना रुपया कमा लें, संपत्ति बना लें, दौड़ में थकने के बाद रिश्तों की गरमाहट का संबल सभी के लिए जरूरी हो जाता है। आखिर हमारी समृद्धि कोई देखने वाला तो हो, हमारी प्रसिद्धि की कोई तारीफ करने वाला तो हो... और ये सब हमें तभी मिलेगा, जब हम स्वयं हाथ बढ़ाएँगे छोटे-बड़े रिश्तों को सहेजने को।

आज जहाँ आर्थिक विकास की अंधी दौड़ में लोग रिश्तों की अहमियत भूलते जा रहे हैं, रिश्ते अपना महत्व खोते जा रहे हैं, केवल फायदों की राजनीति देखते हुए रिश्ते बनाए या बिगाड़े जा रहे हों, वहाँ कुछ परिवार न केवल रिश्तों को बनाए रखने में यकीन करते हैं, वरन् अपने स्नेह, त्याग व अनथक प्रयासों से भरसक रिश्तों की गरमाहट को सालों सहेजते रहते हैं।

हंसा आठ वर्ष की एक प्यारी-सी बच्ची है। चार वर्ष पहले उसकी माँ की दुर्घटना में मौत हो गई। माँ की मौत के सदमे से एक वर्ष बाद ही उसके पिता भी चल बसे- 'लड़की की जात है- कौन सम्हाले' कहकर करीबी रिश्तेदारों ने हाथ झटक लिए- ऐसे में आगे आई हंसा की माँ की करीबी सहेली जो अविवाहित थी। उसने विधिवत हंसा को गोद ले लिया और अपने बच्चे से भी बढ़कर देखभाल की उसकी। आज हंसा के दिमाग में माँ की स्मृति तक धूमिल हो चुकी है- उसे याद है उसकी नई माँ...

प्रणव के विवाह को पाँच वर्ष हो गए थे। पत्नी की अकाल मृत्यु हो गई। प्रणव के जीवन का एकमात्र सहारा था उसका बेटा 'प्रांशु'। 'सौतेली माँ' की भयावह कल्पना के चलते प्रणव कई वर्षों तक दूसरे विवाह के बारे में सोच भी न पाया। फिर अचानक उसे मीता पसंद आ गई- हालाँकि 'प्रांशु' को लेकर डर अभी भी था। ऐसे में मीता ने सारी परिस्थिति को सहृदयता से समझा, प्रांशु को अपनापन दिया। प्रांशु को ही बेटा मानकर अपनी संतान को जन्म देने का विचार भी उसने त्याग दिया... आज 'प्रांशु' कॉलेज में है और मीता... उसके लिए दुनिया में सबसे अच्छी माँ है।

जैन साहब का दुनिया को देखने का तरीका और भी निराला है। वे इस दुनिया में अकेले हैं, ईश्वर की दया से रुपया और स्वास्थ्य दोनों ही वरदान के रूप में साथ हैं। उनके यहाँ पढ़ने आने वाले बच्चों का 'मेला' लगा रहता है। जैन साहब की सभी रिश्तेदारों से प्रार्थना रहती है कि उनके शहर में पढ़ने के लिए आने वाले बच्चे उनके घर में ही रहें। रिश्तेदारों को भला क्यों आपत्ति हो, उनके बच्चों को जैन साहब का स्नेह व अनुशासन भरा मार्गदर्शन मिलता है और जैन साहब का अकेलापन दूर हो जाता है। 'दुनिया में आए हैं, तो इतना प्यार बाँटना चाहिए कि आपके जाने के बाद कुछ लोगों की आँखें आपको याद कर बरसती रहें...' जैन साहब के जीवन का ये सीधा-सा समीकरण है, जो उन्हें बुढ़ापे में भी ऊर्जावान बनाता है।

वास्तव में मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है और रिश्तों की उसे सतत आवश्यकता होती है! चाहे ये रिश्ते दोस्ती के हों, पहचान के हों या खून के। आजकल नौकरी व्यापार के सिलसिले में परिवार एक छोर से दूसरे छोर तक बिखरते जा रहे हैं, आपसी संपर्क भी लगभग समाप्त होते जा रहे हैं। ऐसे में अगली पीढ़ी के बच्चे तो शायद अपने रिश्तेदारों- भाई बहनों से पहचान भी न बना पाएँ... हम चाहे जितना रुपया कमा लें, संपत्ति बना लें, दौड़ में थकने के बाद रिश्तों की गरमाहट का संबल सभी के लिए जरूरी हो जाता है। आखिर हमारी समृद्धि कोई देखने वाला तो हो, हमारी प्रसिद्धि की कोई तारीफ करने वाला तो हो... और ये सब हमें तभी मिलेगा, जब हम स्वयं हाथ बढ़ाएँगे छोटे-बड़े रिश्तों को सहेजने का, उनमें स्नेह विश्वास को सिंचित करने का... और बड़ा सरल सा उपाय है इन्हें सहेजने का। वह है संपर्क। फिर आज की संचार क्रांति ने तो संपर्क इतना आसान बना दिया है। तो क्यों न हम भी अपनाएँ इसे और ले आएँ रिश्तों में प्रगाढ़ता...।

विश्व पृथ्वी दिवस पर न्यायालय परिसर में रोपे पौधे

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। तालुका विधिक सेवा समिति अध्यक्ष न्यायिक मजिस्ट्रेट सबा परवीन कागजी की मौजूदगी में मास्टर प्लान के तहत विश्व पृथ्वी दिवस पर वृक्षारोपण कार्यक्रम विधिक सहायता शिविर न्यायलय परिसर में आयोजित हुआ। वक्ताओं ने कहा कि पर्यावरण व जीने के लिए पेड़-पौधे लगाना आवश्यक हैं। पेड़ हमें ऑक्सीजन देते हैं इसलिए पेड़ो की सुरक्षा करनी चाहिए। कार्यकम मे रीडर गोपेश शर्मा,दीपिका डाबी,राम सिंह मीणा,राम दयाल चौधरी,पीएलवी राम बाबू माथुर,बार एसोसिएशन अध्यक्ष सुमित जोशी,एडवोकेट लक्ष्मी लाल सुराणा,ब्रह्म प्रकाश तिवाड़ी, विट्ठल तिवाड़ी,सुनील जोशी,मुकेश धाकड़, पंकज धाकड़, सुनील स्वर्णकार,ललिता सुवालका,जगदीश धाकड़, दीपक मीणा, घनश्याम धाकड़, अजय मीणा व लेखराज मीणा मौजूद रहे ।

विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत, पीहर पक्ष ने पति पर लगाया मारपीट से मौत का आरोप

जयपुर टाइम्स

बिजौलियां(निसं.)। थाना क्षेत्र के चिताबड़ा गांव में सोमवार को एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। शरीर पर चोट के निशान मिलने से पति द्वारा मारपीट किए जाने के कारण मौत की संभावना जताई जा रही हैं।थानाधिकारी लोकपाल सिंह राठौड़ ने बताया कि टेलिफोन द्वारा सूचना मिली कि चिताबड़ा में हीरा देवी पत्नी रिंकू कंवर की मौत हो गई हैं थानाधिकारी मय जाप्ता मौके पर पहुंचे तो लाश घर के अन्दर रखी हुई थी।पति रिंकू ने बताया कि उसकी पत्नी ने फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली हैं। हीरा की लाश को देखने पर शरीर पर जगह-जगह चोटों के निशान थे। सम्भवयता पति द्वारा बेरहमी से मारपीट करने से मौत हुई हैं।पुलिस ने मृतका के शव को बिजौलिया उपजिला चिकित्सालय की मोर्चरी में रखवाया गया।जहां मंगलवार को पोस्टमार्टम करवा शव परिजनों के सुपुर्द किया।वहीं मृतका के भाई सुरास(बीगोद) निवासी गोविन्द कंजर द्वारा दी गई रिपोर्ट में पति रिंकू द्वारा की गई मारपीट के चलते हीरा की मौत होने की आशंका जताई गई हैं।

हज प्रशिक्षण व टीकाकरण 26 अप्रैल को

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। जिले के चयनित 45 हज यात्रियों के लिए हज प्रशिक्षण व टीकाकरण कार्यक्रम का आयोजन 26 अप्रैल को प्रातः 9 बजे से सांय 5 बजे तक जामा मस्जिद शहर सवाई माधोपुर में किया जाएगा। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मनोज कुमार मीना ने बताया कि हज यात्रा-2025 के लिए चयनित जिले के हज यात्री संबंधित आवश्यक दस्तावेजों के साथ जामा मस्जिद शहर सवाई माधोपुर में उपस्थित होकर टीकाकरण व प्रशिक्षण कार्यक्रम का लाभ उठाएं।

सड़क गुणवत्ता निरीक्षण के तहत 24 अप्रैल को सवाई माधोपुर में होगा विशेष कार्यक्रम

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। प्रदेशभर में सड़क गुणवत्ता, रखरखाव में पारदर्शिता तथा जनजागरूकता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सार्वजनिक निर्माण विभाग एवं तकनीकी शिक्षा निदेशालय के संयुक्त तत्वावधान में मुख्य अभियंता (गुण नियंत्रण), पीडब्ल्यूडी जसवंत लाल खत्री के निर्देशन में 30 मार्च से 12 मई, 2025 तक संपूर्ण राजस्थान में सड़क गुणवत्ता निरीक्षण (सगुनी) यात्रा आयोजित की जा रही है। इसी क्रम में 24 अप्रैल को सवाई माधोपुर जिले में यह निरीक्षण यात्रा आयोजित की जाएगी।

विद्यालयों के मरम्मत कार्यों, आधारभूत सुविधाओं एवं संसाधनों के संरक्षण हेतु अधिकारियों द्वारा निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

सवाई माधोपुर(निसं.)। अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक दिनेश कुमार गुप्ता ने मंगलवार को गंगापुर सिटी क्षेत्र के विभिन्न राजकीय विद्यालयों का निरीक्षण कर विकास एवं मरम्मत कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। निरीक्षण के दौरान अतिरिक्त जिला परियोजना समन्वयक ने राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नंदपुरा गंगापुर सिटी में जनसहभागिता से चल रहे मरम्मत कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित ठेकेदार को निर्देश दिए कि भवन की समुचित तराई सुनिश्चित की जाए। साथ ही विद्यालय के लिए आवंटित भूमि पर प्रस्तावित नए भवन निर्माण हेतु स्थल निरीक्षण कर ग्रामीणों की उपस्थिति में सीमा चिन्हांकन के लिए पत्थर गाड़ने के निर्देश दिए। विद्यालय में बिजली संबंधी समस्याओं के समाधान हेतु मौके पर उपस्थित कनिष्ठ अभियंता, गंगापुर सिटी से वार्ता कर आवश्यक सुधारात्मक कार्य तत्काल प्रारंभ करने को कहा गया। राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय मीणा पाड़ा, गंगापुर सिटी के निरीक्षण में नवीन स्वीकृत कक्ष निर्माण के लिए पुराने जीर्ण-शीर्ण कक्षों के डिस्मेंटल का प्रस्ताव शीघ्र कार्यालय भेजने के निर्देश दिए गए। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय क्रमांक 3, नसिया, गंगापुर सिटी के निरीक्षण में अनुपयोगी पाटोर एवं अन्य कबाड़ सामान के निस्तारण हेतु स्पष्ट निर्देश दिए गए। साथ ही ग्रीष्मकालीन अवकाश से पूर्व विद्यालय की मूल्यवान सामग्री को सुरक्षित स्थान पर रखने हेतु विद्यालय प्रशासन को सतर्क किया गया। विद्यार्थियों की प्रगति को ध्यान में रखते हुए वर्कबुक पूर्ण करवाने के निर्देश भी प्रदान किए गए। इस अवसर पर भगवान माली, अति प्रशासनिक अधिकारी ने विद्यालय से संबंधित स्टोर सामग्री का भौतिक सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

ओपन स्कूल परीक्षा से वंचित करने का आरोप

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शिक्षा के अधिकार का उल्लंघन होता नजर आ रहा है और एक कर्मचारी की गलती के कारण कुछ बच्चों को परीक्षा से वंचित होना पड़ सकता है। इस वाकये का खुलासा तब हुआ जब तीन अभ्यर्थी राजकीय पीसीबी स्कूल के प्रधानाचार्य रणवीरसिंह महरिया के पास अपनी पीड़ा लेकर पहुंचे और बताया कि हमारा राजस्थान स्टेट ओपन स्कूल का फार्म भरा हुआ है, लेकिन हमारा न तो प्रवेश पत्र आया है और न ही ई मित्र पर आई लिस्ट में नाम नजर आ रहा है। हमें हर हाल में अभी परीक्षा दिलवाई जाए, अन्यथा हमारा साल खराब हो पाएगा। इस बारे में प्रधानाचार्य रणवीरसिंह महरिया को अभ्यर्थी असलम टाक, राधा बागड़ा, संतोष जाट की ओर लिखित में जिला शिक्षा अधिकारी के नाम परिवाद दिया गया और कहा कि हमारी किसी भी सूरत में इसी सत्र में परीक्षा दिलवाई जाए, क्योंकि अन्य लोगों के प्रवेश पत्र आ चुके हैं, जबकि हमें नहीं मिले। प्रार्थना पत्रों में बताया गया है कि स्कूल परिसर में बैठने वाले ओपन स्कूल प्रभारी पुखराज कांटीवाल के पास फार्म भरके फीस भी जमा करवाई गई है। जिसके बदले में न तो आज तक हमें रसीद दी गई और न ही कोई परीक्षा का प्रवेश पत्र उपलब्ध करवाया गया। दूसरी ओर असलम टाक ने बताया कि पिछले साल भी मैंने फार्म भरा था, लेकिन मुझे यह कहकर टरका दिया गया कि तुम्हारा फार्म तो रिजेक्ट हो गया। इसलिए मैंने इस साल दुबारा फार्म भरा, लेकिन मेरा नाम फिर भी ओपन स्कूल की ओर से जारी लिस्ट के परीक्षार्थियों में नहीं आया है। ये सभी अभ्यर्थी दसवीं कक्षा पास करना चाहते हैं, लेकिन शिक्षा के अधिकार से इनको वंचित रखते हुए इनके साल बर्बाद किए जा रहे हैं, जिसके बारे में किसी के पास कोई स्पष्ट उत्तर नहीं है। स्कूल स्टाफ के सदस्यों ने दबी जुबान से बताया कि यह कर्मचारी अनुकम्पा नियुक्ति पर है और काम में लापरवाही करने पर हम लोग भी इसे काफी बार समझा चुके हैं, लेकिन इस पर कोई असर नजर नहीं आता है, अभ्यर्थी यहां पर चक्कर काटते नजर आते हैं। मौके पर मंगलवार को यह कर्मचारी अपने कार्यालय पर नहीं मिला। स्कूल के प्रिंसिपिल रणवीरसिंह महरिया से इस बारे में सम्पर्क करने पर उन्होंने बताया कि लापरवाही की जानकारी मिलने पर मैंने 20 सितम्बर 2024 को पुखराज कांटीवाल से दो साल के रिकार्ड की जानकारी मांगी थी और कार्य में लापरवाही नहीं बरतने की हिदायत भी दी थी, लेकिन मुझे पूरा रिकार्ड उपलब्ध नहीं करवाया गया। अब पीड़ित अभ्यर्थियों की शिकायत मिली है, जिसके बारे में आगे नियमानुसार सम्बंधित पर कार्यवाही की जाएगी।

खाद्य सुरक्षा योजना में अपात्र व्यक्तियों पर अब होगी कार्रवाई

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा के मार्गदर्शन में राज्य सरकार निरन्तर वंचित वर्गों के उत्थान के लिए कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री शर्मा के स्पष्ट निर्देश हैं कि अंतिम पंक्ति में खड़े लोगों को सरकारी योजनाओं से जोड़कर लाभान्वित किया जाए ताकि वे समाज की मुख्यधारा से जुड़ सकें। डीएसओ साक्षी पुरी ने बताया कि खाद्य सुरक्षा प्रदान करने के संबंध में 'राजस्थान खाद्य सुरक्षा नियम, 2023 अनुसूची-1' में निर्धारित मापदण्डों के अनुसार परिवार जिसमें कोई आयकर दाता हो, परिवार जिसका कोई सदस्य सरकारी/ अर्द्धसरकारी/ स्वायत्तशासी संस्थाओं में कर्मचारी हो, एक लाख से अधिक वार्षिक पारिवारिक आय हो व परिवार में किसी सदस्य के पास चार पहिया वाहन हो (ट्रैक्टर आदि जीविकोपार्जन में प्रयुक्त वाहन को छोड़कर) निष्कासन सूची में शामिल है। उन्होंने बताया कि 1 नवम्बर, 2024 से प्रारम्भ गिव अप अभियान में आज तक राजस्थान में 17.63 लाख व्यक्तियों ने स्वेच्छा से खाद्य सुरक्षा योजना का लाभ छोड़ा है। चूरू जिले में 16875 व्यक्तियों ने गिव अप किया। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री शर्मा के निर्देश पर 26 जनवरी, 2025 को खाद्य सुरक्षा योजना पोर्टल खोला गया, जिसमें चूरू जिले में 31206 नए आवेदन प्राप्त हुए है। पुरी ने बताया कि गिव अप अभियान में चूरू जिले में 180 अपात्र परिवारों को नोटिस जारी किए गए, जिनसे वसूली की नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। गिव अप अभियान में अब प्रत्येक उचित मूल्य दुकान पर खाद्य विभाग के प्रवर्तन अधिकारी एवं प्रवर्तन निरीक्षक औचक निरीक्षण करने के साथ ही खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस जारी करेंगे। खाद्य विभाग शीघ्र ही परिवहन विभाग से चार पहिया वाहन स्वामी का डाटा संकलित कर खाद्य सुरक्षा में चयनित अपात्र लोगों को नोटिस जारी करेंगे और वसूली की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने बताया कि अपात्र व्यक्ति गिव अप अभियान अंतर्गत 30 अप्रैल, 2025 तक स्वेच्छा से नाम हटवा सकते हैं।

राजस्थान में गर्मी का प्रकोप बढ़ा: 4 जिलों में लू, 14 शहरों में पारा 40 डिग्री के पार

जयपुर(कासं.) राजस्थान में गर्मी ने एक बार फिर रफ्तार पकड़ ली है। मंगलवार को प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान में 1 से 2 डिग्री सेल्सियस तक की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कोटा, बाड़मेर, गंगानगर और चित्तौड़गढ़ जैसे जिलों में लू चली, जिससे लोगों को तेज गर्मी का सामना करना पड़ा। राज्य के 14 शहरों में अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस या उससे अधिक रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने अगले 4-5 दिनों में तापमान में 3 से 5 डिग्री सेल्सियस तक और बढ़ोतरी की आशंका जताई है। इसके चलते कई जिलों में हीटवेव का येलो अलर्ट जारी किया गया है। मंगलवार को कोटा प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 42.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

एग्रीकल्चर ऑफिसर परीक्षा-2024 की मॉडल उत्तर कुंजी जारी, 25 अप्रैल तक ऑनलाइन दर्ज करवा सकेंगे आपत्तियां

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। राजस्थान लोक सेवा आयोग ने एग्रीकल्चर ऑफिसर (कृषि विभाग) प्रतियोगी परीक्षा-2024 की मॉडल उत्तर कुंजी सोमवार को जारी कर दी है। यह उत्तर कुंजी आयोग की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध है। अभ्यर्थी 23 से 25 अप्रैल 2025 की मध्यरात्रि 12.00 बजे तक निर्धारित प्रक्रिया व शुल्क के साथ ऑनलाइन आपत्तियां दर्ज करवा सकते हैं। मुख्य परीक्षा नियंत्रक आशुतोष गुप्ता ने बताया कि आपत्तियां आयोग द्वारा उपलब्ध मॉडल प्रश्न पत्र के क्रमांक के अनुसार ही प्रविष्ट करनी होंगी। साथ ही, प्रत्येक आपत्ति के साथ प्रमाणिक पुस्तकों से साक्ष्य अनिवार्य रूप से संलग्न करने होंगे। बिना प्रमाण के आपत्तियों पर विचार नहीं किया जाएगा। आपत्ति दर्ज कराने के लिए प्रति प्रश्न 100 रुपये (सेवा शुल्क अतिरिक्त) शुल्क निर्धारित है। यह शुल्क ई-मित्र कियोस्क अथवा ऑनलाइन पेमेंट गेटवे के माध्यम से जमा किया जा सकता है। शुल्क जमा किए बिना आपत्तियां मान्य नहीं होंगी और शुल्क की वापसी की कोई व्यवस्था नहीं है। आपत्तियां केवल उन्हीं अभ्यर्थियों से स्वीकार की जाएंगी जो परीक्षा में सम्मिलित हुए हैं। अन्य किसी व्यक्ति की आपत्तियां मान्य नहीं होंगी। ऑनलाइन आपत्ति दर्ज करने के लिए अभ्यर्थी स्स्ह पोर्टल पर लॉगिन कर रिक्रूटमेंट पोर्टल से "क्रेश्चन ऑब्जेक्शन" लिंक का चयन कर सकते हैं। तकनीकी समस्या की स्थिति में अभ्यर्थी recruitmenthelpdesk @rajasthan. gov.in पर ईमेल अथवा 9352323625 और 7340557555 पर संपर्क कर सकते हैं। गौरतलब है कि आपत्तियां केवल एक बार ही ली जाएंगी और निर्धारित समय के बाद कोई भी आपत्ति स्वीकार नहीं की जाएगी।

जोन उपायुक्तों एवं जोन OIC ने किया सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

जयपुर(कासं.)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त रूकमणि रियाड़ के निर्देश पर मंगलवार को सभी जोन उपायुक्त एवं जोन OIC ने सफाई व्यवस्थाओं का अपने-अपने जोन में सफाई व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सभी जोन उपायुक्तों एवं जोन OIC ने CTU GFC (Garbage Free City) सफाई कर्मचारियों की हाजरी, ओपन कचरा डिपो की स्थिति, दुकानों के बाहर हरे व नीले रंग के डस्टबिन की स्थिति, स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत चयनित सीटीयू पॉइंट्स की मॉनिटरिंग, स्वच्छ सर्वेक्षण के अंतर्गत आने वाले सभी मापदंडों की मॉनिटरिंग, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, सीएनडी वेस्ट आदि का औचक निरीक्षण किया तथा कमियां पाई जाने पर तत्काल रूप से उन्हें सुधारने के निर्देश दिये गये। इन अधिकारियों को दी गई है जोन OIC की जिम्मेदारी उपायुक्त अशोक शर्मा मानसरोवर जोन, उपायुक्त रेखा मीना, जगतपुरा जोन, उपायुक्त करणी सिंह विधाधर नगर जोन, उपायुक्त मुकुट सिंह मुरलीपुरा जोन, गीता कारनानी सांगानेर जोन, उपायुक्त श्यामलाल जांगिड़ झोटवाड़ा जोन, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रश्मि कांकरिया मालवीय नगर जोन को OIC नियुक्त किया गया है सफाई व्यवस्था के सुव्यवस्थित एवं सफल संचालन हेतु जोन OIC की जिम्मेदारी दी गई है।

राठौड़ के जन्म दिन पर 551 परिवारों को अनाज वितरण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। शहर के वार्ड 34-35 में पूर्व मंत्री राजेन्द्र राठौड़ का जन्म दिन सोमवार को पवन गुर्जर के नेतृत्व में केक काटकर समारोह पूर्वक मनाया गया। इस दौरान राठौड़ व विधायक हरलाल सहारण का माल्यार्पण कर व आतिशबाजी कर भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता पार्षद लीलाधर शर्मा ने की। इसी।क्रम में देवनारायण मन्दिर में 551 परिवारों को अनाज वितरण किया गया। इस अवसर पर राठौड ने कहा कि गरीब को गणेष मानकर सेवा करना सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। इस अवसर पर भंवर गुर्जर, मुकेश राजदेव, गोपाल अग्रवाल पावटा, बंटी गुर्जर, सुनील ढ़ाका, अष्विनी बुडानिया, राकेश राजोतिया, राकेश तुनवाल, हरीश पारीक, विष्णु शर्मा, रमेश गोयल, गोपीराम शर्मा, एडवोकेट सुनील खटीक, अंकुर बंसल, तेजपाल शर्मा, बुधमल गुर्जर, मदन गुर्जर, महेन्द्र गुर्जर, शिक्षक नेता भंवरलाल गुर्जर, जगदीश स्वामी, शिव कुमार शर्मा, सम्पत मल दईया, मुकेश गुर्जर, विजय शर्मा, नरेंद्र गुर्जर, जीवणमल सैनी, राजेश शर्मा, ओपी सांसी, देवेंद्र नून, विनोद राव, राहुल, मेघराज प्रजापत, भूराराम, ओम प्रकाश, सांवरमल गुर्जर, थावरमल सहित अनेक लोगों ने राठौड़ को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर राठौड़ ने सभी का आभार व्यक्त किया।

राजस्थान सरकार

हरिश्चन्द्र माथुर राजस्थान राज्य लोक प्रशासन संस्थान

H.C.M. Rajasthan State Institute of Public Administration
Jawahar Lal Nehru Marg, Jaipur-302 017 Rajasthan India

कमांक-एफ8 (44)/अ.शा./रीपा/सेंसर डोर अनुबंध/2024/711 दिनांक- 09/4/2025

HCM RIPA, JAIPUR
Notice Inviting Bid

Bid for MAINTANANCE OF 4 Nos SENSOR DOOR are invited form interested bidders upto 1.30 PM by 28.04.2025. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal http://sppp.raj.nic.in of the state; and www.hcmripa.rajasthan.gov.in departmental website.
UBIN-OTS2526SSOB00003

डॉ. प्रभा व्यास
अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन)
ह च.मा. रीपा, जयपुर

DIPR/C/5131/2025

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम
कार्यालय, मुख्य प्रबन्धक वैशाली नगर आगार जयपुर, परिवहन मार्ग चौमू हाउस, जयपुर-302001

निविदा सूचना

राजस्थान राज्य पथ परिवहन निगम वैशाली नगर आगार में मैन विद मशीन (टैली की योग्यता रखने) हेतु निविदा आमंत्रित की जानी है। निविदा प्रपत्र एवं शर्तें निर्धारित राशि 500/–रूपये एवं जीएसटी अतिरिक्त पर नकद जमा करवाकर निम्न हस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय समय में प्राप्त कर सकते है। इच्छुक व्यक्ति/संस्था अपने प्रस्ताव दिनांक 30.04.2025 को 15 बजे तक जमा करा सकते है। निविदा प्रस्ताव उसी दिन 15.30 बजे उपस्थित निविदादाताओं के समक्ष खोले जावेंगे। इस संबंध मे विस्तृत विवरण निम्न वेबसाईट **http://transport.rajasthan.gov.in/rsrtc** एवं SPPP पोर्टल पोर्टल **http:/sppp.rajasthan.gov.in** पर देखी जा सकती है।
निविदा स्वीकार/निरस्त करने का अधिकार निम्न हस्ताक्षरकर्ता के पास सुरक्षित है।
UBN No.: RTC2526WSSS00048
राज.संवाद/सी/25/1072 विज्ञापन संख्या 32/2025-26 मुख्य प्रबन्धक

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, PHED DIVISION CHURU (RAJ.)

Tel. 01562-250343, e-mail-eephedchuru@gmail.com, ee.chu.phed@rajasthan.gov.in

No: 210-224 Date: 16-04-2025

NOTICE INVITING BID

Bids for Nit no 04/2025-26 Construction of 200 mm dia. Tube Well at various location in city Sub Div Churu with 02 Year defect liability period under Tehsil-Churu, District-Churu and Nit no 05/2025-26 Construction of 200 mm dia. Tube Well at RWSS Dhodhliya district Sub Div Churu with 02 Year defect liability period under Tehsil-Churu, District-Churu are invited form interested bidders upto 25- 04-2025 (18:00 Hrs) Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal. http:// sppp. rajasthan. gov.in, http://sppp.rajasthan.gov.in) of the state and phed.raj.nic.in. The approximate value of the procurement is Nit no 04/2025-26 Rs. 06.40 Lacs.and Nit no 05/2025-26 Rs. 02.08 Lacs.
UBN No. PHE 2526 WSOB 01124 RS-6-40 LAC
UBN No. PHE 2526 WSOB 01125 PS-2.08 LAC

Executive Engineer.
PHED Division Churu

DIPR/C/5161/2025

आम सूचना

Au small finance bank शाखा सरदारशहर द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सन्तोष S/o कानाराम माली निवासी सरदारशहर जिला चूरू अपनी व्यवसायिक जायदाद तादादी 114 × 101 वर्ग फिट वाके नजदीक भूत नाथ बगीची व बस स्टेण्ड तहसील सरदारशहर जिला चूरू जो की जरिये विक्रय पत्र डीड दिनांकित 08.12.2021को पिरदान S/o लूणाराम सोनी व विक्रय पत्र दिनांकित 24.02.2025 को सचिन S/o गोविंद प्रसाद सोनी जरिये GPA संतोष W/o गोविंद प्रसाद सोनी से खरीद शुदा है। उक्त जायदाद को प्रार्थी Au small finance bank शाखा सरदारशहर में रहन रख कर वित्तीय सहायता प्राप्त करना चाहती है।
अतः सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि उक्त सम्पति संबंधित किसी बैंक वित्तीय संस्थान या किसी व्यक्ति विशेष को कोई उजर आपत्ति या उक्त संपत्ति के स्वामित्व संबंधित कोई वाद विवाद हो तो अगले 07 दिवस में Au small finance bank शाखा सरदारशहर के ब्रांच मैनेजर अथवा ब्रांच अधिवक्ता भरत व्यास एडवोकेट को लिखित में सूचना दें बाद गुजरे मियाद दी गई आपत्ति अमान्य समझी जाएगी।

भवदीय
भरत व्यास एडवोकेट
78774 80007
78774 70007

OFFICE OF GRAM PANCHAYAT DHANDHELA
P.S. PATAN (SIKAR)

S.NO. : ग्रामं / धांधेला / 2025-26/11 DATE : 22/04/2025

Notice Inviting Bid

Bid for construction works undar Other Scheme are invited from intersted bidders upto 22-04-2025, 09:30 AM to 28-04-2025, 01:00 PM. Other particulars of the bid may be visited on the procurement portal (http://sppp.raj.nic.in) of the state. The approximate value of the work is maximum RS. 499979

UBN No. PKP2526WSLB00002

PRASHASHAK
GP DHANDHELA

VDO
GP DHANDHELA

जिला जल व स्वच्छता मिशन की बैठक आज

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला कलक्टर अभिषेक सुराणा की अध्यक्षता में बुधवार को सांय 6 बजे जिला कलेक्ट्रेट सभागार में जल जीवन मिशन योजना अंतर्गत जिला जल व स्वच्छता मिशन की बैठक आयोजित की जाएगी। पीएचईडी एसई चुन्नीलाल ने बताया कि बैठक में जल जीवन मिशन अंतर्गत स्वीकृत योजनाओं की भौतिक व वित्तीय प्रगति, शत प्रतिशत एफएचटीसी से लाभान्वित ग्रामों में हर घर जल प्रमाणीकरण, नल जल मित्र और जल जीवन मिशन योजनाओं के संचालन व संधारण सहित विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा की जाएगी।

तोलियासर भैरव मंदिर में राठौड ने की पूजा-अर्चना

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। तौलियासर भैरव मंदिर में सोमवार शाम पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ के जन्म दिन पर राठौड़ व उनकी धर्मपत्नि चांद कंवर राठौड़ और विधायक हरलाल सहारण ने भैरों बाबा की पूजा-अर्चना की। इससे पूर्व मंदिर पहुंचने पर वाल्मीकि समाज के लोगों ने राठौड़ का एक नए अंदाज में भव्य स्वागत किया गया। इस अवसर पर राठौड़ व हरलाल सहारण ने उनको मिठाई वितरित की। इस दौरान एक व्यक्ति एक पेड़ अभियान के तहत एक पौधा लगाया गया और केक काटकर उनको जन्मदिन की बधाई दी गई। भैरव बाबा के दरबार में चूरू और राजस्थान की खुशहाली की कामना की गई। इस अवसर पर राजेंद्र राठौड़ को गुड़ से तोलकर उसे गायों को खिलाया गया।

संयुक्त निदेशक व हीट वेव जिला प्रभारी ने किया सीएचसी का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

सालासर(निस)। चिकित्सा व स्वास्थ्य सेवाएं जयपुर के संयुक्त निदेशक डॉ. सुभाष खेरिया व हीटवेव चूरू जिला प्रभारी डॉ. प्रवीण झुरिया ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र सालासर का औचक निरीक्षण किया। बीसीएमओ सुजानगढ डॉ. भूपेन्द्र मेघवाल व संस्था प्रभारी डॉ. महेन्द्र गंगावत ने अधिकारियो को सभी वार्डो की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में पीड़ित मरीजो के लिए छह बेड का वार्ड आरक्षित किया गया है। संयुक्त निदेशक व हीट वेव चूरू जिला प्रभारी ने अस्पताल के सभी वार्डों, ओपीडी, ग्राउण्ड, लैब एक्सरे आदि स्थानो पर लगे पंखे व कूलर और आवश्यक दवाईयो व उपकरणो का पूरी तरह निरिक्षण किया। अधिकारियो ने मरीजो से फीडबैक भी लिया। और अस्पताल में सफाई व्यवस्था भी सुचारू रूप से पाई गई।

सुजानगढ़ में नई यातायात व्यवस्था लागू, केन्द्रीय बस स्टैंड पर बसों का आवागमन शुरू

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। शहर में मंगलवार से नई यातायात व्यवस्था लागू होने के साथ ही सालासर रोड़ स्थित केन्द्रीय बस स्टैण्ड पर बसों का आवागमन शुरू हो गया। जिलाधीश अभिषेक सुराणा की ओर से घोषित नो एंट्री जोन के तहत शहर में बसों व ट्रकों सहित भारी वाहनों का प्रवेश बंद कर दिया गया है। अशोक सर्किल के पास बैरिकेडिंग लगा कर बसों व ट्रकों रेलवे स्टेशन के पास स्थित पुराने बस स्टैण्ड पर जाने से रोक दिया गया। लाडनूं बस स्टैण्ड पर लाडनूं क्षेत्र के गांवों की ओर जानी वाली बसों को भी आने से रोक दिया गया। जिससे पुराने बस स्टैण्ड एवं लाडनूं बस स्टैण्ड खाली-खाली नजर आया।केन्द्रीय बस स्टैण्ड पर नगरपरिषद के कर्मचारियों की ओर से प्याऊ, आधुनिक शौचालय सहित बस स्टैण्ड पर सफाई की गई।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पौधारोपण

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। विश्व पृथ्वी दिवस पर तारानगर की एमएसजी हाईटेक गुरुकुल गर्ल्स स्कूल की छात्राओं ने मंगलवार को विद्यालय परिसर में पौधारोपण किया। विद्यालय की छात्राओं ने एक एक पौधा लगाकर उन्हें हर रोज संभाल करने का जिम्मा लिया। इस मौके पर रेखा, रीना, प्रवीण, प्रिया, बिया, सोनिका, कांता सहित विद्यालय की छात्राएं उपस्थित रही।

होटल में अनैतिक गतिविधि, 3 महिलाओं सहित 7 गिरफ्तार

हजयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। बगड़ पुलिस ने बाईपास स्थित एक होटल में छापेमारी कर होटल संचालक और तीन महिलाओं सहित सात लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस को सूचना मिली थी कि होटल में बाहर से आए लड़के-लड़कियों की गतिविधियां संदिग्ध हैं। सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर पूछताछ की। पुलिस के अनुसार होटल संचालक राजकुमार और वहां मौजूद लड़के-लड़कियों की गतिविधियां संदिग्ध और अनैतिक प्रतीत हुईं। इसके अतिरिक्त मौके पर मौजूद लोग एक-दूसरे पर आरोप-प्रत्यारोप लगा रहे थे और झगड़ा करने पर उतारू थे। इन परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस ने शांतिभंग की आशंका में होटल संचालक राजकुमार और सात अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए लोगों में तीन महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं। पुलिस ने बताया कि राजकुमार (40) पुत्र बुधराम निवासी नाटास, पुलिस थाना गुढागोडजी, मुरारीलाल (25) निवासी देसुसर, पुलिस थाना बगड़, लोकेश (30) कुमार पुत्र माडुराम निवासी जयपहाड़ी, पुलिस थाना बगड़, सचिन कुमार (21) पुत्र मुकेश कुमार निवासी जयपहाड़ी, थाना बगड़, प्रदीप कुमार (24) पुत्र हरिराम निवासी जयपहाड़ी, थाना बगड़,मितादास (31) पुत्री गुलदास निवासी हाउस नम्बर 822 शिव मंदिर संगम विहार दक्षिण दिल्ली, रोबिना (22) पुत्री रबुल भाकरी निवासी चंचाल, पुलिस थाना चंचाल, जिला भाकरी, पश्चिम बंगाल, दीप्ति (20) पुत्री बीरपाल निवासी 859 राजनगर -2 सादर वेसट दिल्ली पालम विहार दिल्ली को गिरफ्तार किया है।

मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना: 15 मई तक आवेदन आमंत्रित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना 2025 अन्तर्गत 15 मई,2025 तक ऑनलाइन आवेदन करने के लिए कहा गया है। एसजेईडी डीडी नगेन्द्र सिंह राठौड़ ने बताया कि प्रदेश सरकार की ओर से बजट घोषणा के माध्यम से चलने-फिरने में असमर्थ दिव्यांग युवाओं को संबल प्रदान करने की दृष्टि से स्कूटी वितरण की घोषणा की गई है। योजना अन्तर्गत चलने-फिरने में असमर्थ ऐसे विशेष योग्यजन जो राजकीय अथवा मान्यता प्राप्त महाविद्यालय में नियमित अध्ययनरत है और रोजगार करने वाले युवा हैं, उनको प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदेश में 2500 विशेष योग्यजनों को निःशुल्क स्कूटी वितरित की जाएगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना 2025 अन्तर्गत इच्छुक पात्र विशेष योग्यजन 15 मई, 2025 तक ऑनलाईन आवेदन अपनी एसएसओ आईडी पर उपलब्ध एसजेएमएस डीएसएपी के माध्यम से कर सकते हैं। योजनान्तर्गत ऑनलाईन आवेदन के लिए अध्ययनरत प्रमाण पत्र/रोजगार मे लगे होने का प्रमाण पत्र, दिव्यांगता दर्शाते हुए फोटो, आधार, जनआधार, मूल निवास, आय प्रमाण पत्र, पेंशन पीपीओ, जन्म प्रमाण पत्र/कक्षा-10 की अंकतालिका, गत 08 वर्षों में आवेदक की ओर से भारत सरकार/राज्य सरकार द्वारा संचालित किसी भी योजनान्तर्गत मोटराईज्ड ट्राई साईकिल/ स्कूटी वाहन प्राप्त नहीं किए जाने का शपथ पत्र व ड्राईविंग लाइसेंस इत्यादि दस्तावेजों की आवश्यकता होगी। उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री दिव्यांग स्कूटी योजना 2025 के आवेदन की संपूर्ण प्रक्रिया ऑनलाईन है। ऑफलाईन आवेदन किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। इच्छुक पात्र विषेष योग्यजन निर्धारित समयावधि में ऑनलाईन आवेदन कर सकते हैं।

टीबा पंचायत में जोड़ने का विरोध, जमालपुर के ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

जयपुर टाइम्स

खेतड़ी(निस)। क्षेत्र के जमालपुर ग्राम के ग्रामीणों ने टीबा पंचायत में जोडने को लेकर उपखण्ड कार्यालय के आगे विरोध प्रदर्शन किया व एसडीएम के नाम ज्ञापन दिया। ग्रामीण छोटेलाल पहलवान ने बताया कि टीबा पंचायत जमालपुर से ज्यादा दूरी पर है। बेसरडा पंचायत मे हमे सारी सुविधाएं मिल रही है। टीबा पंचायत के हमारे गाव कि कोई भी सीमा नही लगती। यदि हमें टीबा पंचायत मुख्यालय पर जाना हो तो हमें ज्यादा दूरी तय करनी पड़ती है व बसई पंचायत को लांघ कर हमें टीबा पंचायत मे जाना पड़ता है। टीबा ग्राम पंचायत में जाने के लिए हमें बसई पोलिंग बूथ के सामने से जाना पड़ता है जिससे चुनावों के समय झगडे की आशंका बनी रहती है। यदि हमें बेसरडा पंचायत से हटाकर टीबा पंचायत मे जोडा जाता है तो मजबूरन ग्रामवासियों को धरना, प्रदर्शन करना पडेगा। ज्ञापन देने वालो में मूर्ति देवी, महेन्द्र सिंह, तेजाराम, रामनिवास, खेताराम, ख्यातलीराम, ज्ञानीराम, सागरमल, प्रकाश कुमावत, भादरमल, लीलाराम, धर्मपाल, मदन आदि मौजूद रहे।

गोमती कॉलेज में पोस्टर प्रतियोगिता

जयपुर टाइम्स

झुंझुनू(निस)। बड़ागांवबस स्टैंड स्थित गोमती देवी पीजी कॉलेज में संचालित वनराज इंडेप कंपनी एन. सी. सी. पिलानी और राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पृथ्वी दिवस के अवसर पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया!। जिसके अंतर्गत एनसीसी कैडेट्स और कालेज की दोनों एनएसएस की इकाइयों के स्वयंसेवक-स्वयंसेविकाओं में कल्पना, अनिशा, चंद्रकला, नेहा, उजाला, गुंजन, प्रियंका, अन्नु ,खुशबू, सुमन, प्रीति, नवीन, लोकेश, जितेंद्र, नरेश, विक्रम, हेमाराम, अनिल, प्रवेश, संदीप, उमेश और प्रदीप ने भाग लिया।

राठौड़ के जन्मदिवस पर छात्राओं को पाठ्य सामग्री वितरित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। स्थानीय कस्तूरबा विद्यालय में पढ़ रही व छात्रावास में रह रही सभी बालिकाओं को चूरू विधायक हरलाल साहरण के मार्गदर्शन में समाजसेवी कमल कुमार शर्मा ने विद्यालय में पढ़ रही बालिकाओं को स्कूल बेग, कॉपी, पानी बॉटल, टिफिन बॉक्स, ड्रॉइंग बुक, पेन्सिल, रबर भेट किए। इस अवसर पर छात्राओं को फल व दूध भी वितरित किया। कार्यक्रम में बोलते हुए कमल शर्मा ने कहा कि शिक्षा वर्तमान समय की महत्ती आवश्यकता है। शिक्षा से ही व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास होता है और शिक्षा शेरनी का वह दूध है जो इसे पियेगा, वही दहाड़ेगा। कार्यक्रम मे प्रदेश मंत्री वासुदेव चावला, युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष जयपुर शहर सुरेंद्र सिंह पुरुवंशी, गोपाल बालान मंचस्थ रहे। कमल शर्मा और हरीश कुमार वर्मा ने राजेंद्र राठौड़ का साफा पहनाकर स्वागत किया। विधायक हरलाल साहरण का स्वागत बंटी शर्मा व नवल शर्मा ने किया। कार्यक्रम मे प्रशांत शर्मा, मनोज सैनी, कमल सैनी, मुकुल सारस्वत, आदिल खान, कृष सोनी, राकेश कुमार, रोहित कुमार, बंटी शर्मा, अमेगा तिवारी, सीमा शर्मा आदि उपस्थित रहे।

बीडीके अस्पताल में अग्नि सुरक्षा शपथ दिलवाई

जयपुर टाइम्स

झुंझुनूं(निस)। झुंझुनूं के बीडीके अस्पताल में फायर सेफ्टी सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम किया गया। इस दौरान अस्पताल के सभी स्वास्थ्यकर्मियों और लोगों को अग्नि सुरक्षा की शपथ दिलाई गई। यह कार्यक्रम देशभर के चिकित्सा संस्थानों में 21 अप्रैल से 26 अप्रैल 2025 तक मनाए जा रहे फायर सेफ्टी सप्ताह का हिस्सा था। कार्यक्रम की इस वर्ष की थीम है- 'एकजुट हो, अग्नि सुरक्षित भारत को प्रज्ज्वलित करे'। कार्यक्रम में पीएमओ व वरिष्ठ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जितेन्द्र भाम्बू ने कहा कि अस्पताल जैसे संवेदनशील स्थानों पर अग्नि सुरक्षा की जानकारी होना अत्यंत आवश्यक है। यदि आमजन और स्वास्थ्यकर्मी समय पर उचित कार्रवाई करना जानते हों तो आगजनी की घटनाओं से होने वाले जान-माल के नुकसान को काफी हद तक रोका जा सकता है। डॉ. भाम्बू ने इस प्रकार के जागरूकता अभियानों को नियमित अंतराल पर आयोजित करने की आवश्यकता पर भी बल दिया ताकि सभी हमेशा आग से सुरक्षा के प्रति जागरूक रहें। कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य प्रबंधक डॉ. नावेद अख्तर ने अग्नि प्रबंधन के लिए अपनाए जाने वाले प्रोटोकॉल की विस्तृत जानकारी दी।

विद्यालय में विश्व पृथ्वी दिवस मनाया

जयपुर टाइम्स

बिसाऊ(निस)। न्यू राजस्थान पब्लिक स्कूल में आज विश्व पृथ्वी दिवस मनाया गया। इस मौके पर छात्र/ छात्राओं और शिक्षकों ने मिलकर स्कूल परिसर व आसपास के क्षेत्रों में पौधे लगाए। स्कूल परिसर में सफाई अभियान चलाया गया हैं। बच्चो ने भाषण, निबंध लेखन, पेंटिंग, प्रश्नोत्तरी (क्विज) जैसी प्रतियोगिताएं आयोजित की जिसका विषय पृथ्वी और पर्यावरण संरक्षण रहा। संस्था निदेशक डॉ प्रताप सिंह ने बच्चों को जलवायु परिवर्तन, प्लास्टिक के उपयोग को कम करने, जल और ऊर्जा संरक्षण के महत्व के बारे में बताया। इसका मुख्य उद्देश्य छात्रों को पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण के खतरों और पृथ्वी के संसाधनों को बचाने के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस मौके पर स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

ईओ का पद खाली, मजे कर रहे नगर पालिका कर्मचारी

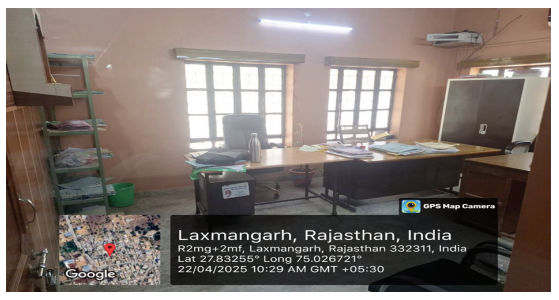

जयपुर टाइम्स

लक्ष्मणगढ़(निस)। स्थानीय नगर पालिका में लंबे समय से स्थाई अधिशासी अधिकारी का पद रिक्त चल रहा है जिसका फायदा उठाते हुए कर्मचारी भी सीट पर नहीं मिल रहे हैं। सूत्रो के अनुसार मंगलवार को सुबह करीब 10-30 बजे तक नगरपालिका के कर्मचारी नदारद मिले। जानकारी के अनुसार पालिका कर्मचारी समय पर कार्यालय भी नहीं आते हैं और शाम को भी समय से पूर्व सीट से नदारत मिलते हैं जबकि इस भीषण गर्मी में शहर की आम जनता सुबह जल्दी जाकर या शाम को गर्मी का प्रकोप कम होने बाद कार्यालय जाकर अपना काम करवाना चाहते हैं लेकिन कर्मचारी वहां नहीं मिलने से इस गर्मी में लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। कर्मचारियों में वर्तमान में प्रशासन भय बिल्कुल भी दिखाई नहीं दे रहा है जिसके चलते ही कार्यालय समय में पालिका के कर्मचारी अपनी सीट से नदारत मिलते हैं, देखना होगा कि देखना होगा कि प्रशासन कब इन लोगों पर कार्रवाई करेगा और आमजन को राहत पहुंचाने का कार्य करेगा।

हनुमानपुरा में जीरो वेस्ट प्लास्टिक रैली निकाली

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। सरदार हरलालसिंह राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में मंगलवार को विद्यार्थियो ने रैली निकाली। इसमें बच्चों को प्लास्टिक उपयोग से होने वाली हानियों के बारे में बताया गया। पीरामल फाउण्डेशन की ओर से संदर्भ व्यक्ति अफरीन और शालू ने बताया कि प्लास्टिक का उपयोग हमारे आस पास के वातावरण को दूषित करता है। इस अवसर पर सरपंच सुमित्रा सेवदा, पीटीआई सुखवीर सिंह, राकेश गुवारिया, विकास सेवदा, अभिषेक सेवदा आदि भी रैली में शामिल रहे।

विश्व पृथ्वी दिवस पर पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित

जयपुर टाइम्स

मण्डावा(निस)। आदर्श विद्या मंदिर, मण्डावा में मंगलवार को विश्व पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में एक विशेष पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस वर्ष की थीम "हमारी शक्ति, हमारा ग्रह" पर आधारित इस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने अपने रंगों और विचारों से पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। प्रतियोगिता में कक्षा 7 की परिधि ने प्रथम स्थान प्राप्त किया, कक्षा 9 की दिया चौधरी द्वितीय स्थान पर रही, जबकि कक्षा 5 की रिद्धि व कक्षा 8 के रौनक सैनी ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान हासिल किया। सभी विजेताओं को विद्यालय की ओर से पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।इस अवसर पर विद्यालय निदेशक अभिषेक तेतरवाल ने छात्रों को संबोधित करते हुए पृथ्वी के संरक्षण के लिए सजग और सक्रिय भूमिका निभाने का संदेश दिया। प्रधानाचार्य मुकेश कुमार स्वामी ने बताया कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता व जिम्मेदारी की भावना का विकास होता है। कार्यक्रम में दिनेश कुमार, हरीश कुमार, गौतम कालोया,काजल शेखावत, अस्मिता बेनर्जी सहित समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

शेखावाटी जयपुर टाइम्स

जयपुर, बुधवार
23 अप्रेल, 2025

पौधारोपण कर मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। विश्व पृथ्वी दिवस पर तारानगर के नेचर पार्क में वन विभाग की ओर से एसडीएम राजेंद्र कुमार की अगुवाई में मंगलवार को पौधारोपण किया गया। उपखंड अधिकारी राजेंद्र कुमार ने सभी से अधिक से अधिक पौधारोपण करने व ज़ब तक वो बड़े पेड़ न बन जाए तब तक उनकी संभाल करने की अपील की। इस मौके पर विकास अधिकारी विनोद कुमार धायल, क्षेत्रीय वन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार, फोरेस्टर सुनील बागड़ी, विनोद, सहित वन विभाग के कार्मिक व जेपीएस स्कूल के बच्चे उपस्थित रहे।

राजकीय विद्यालय में अलमारी भेंट

जयपुर टाइम्स

राजलदेसर(निस)। समाजसेवी संस्था हनुमान प्रसाद सीताराम सेवा समिति ने मंगलवार को राजलदेसर कस्बे के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय वार्ड नंबर 16 में एक अलमारी भेंट की। समिति के अध्यक्ष सीताराम शर्मा ने विद्यालय में अलमारी के साथ ही विद्यार्थियों को चॉकलेट वितरित की। संस्था प्रधान प्रकाश जाट की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि समाजसेवी सीताराम शर्मा, गौरव दाधीच, प्रेरक शिक्षक राकेश गहलोत मंचस्थ अतिथि रहे। इस मौके पर मुख्य अतिथि सीताराम शर्मा ने शिक्षा को विकास की धुरी बताते हुए शिक्षा के क्षेत्र में अधिकाधिक विकास पर बल दिया। विशिष्ट अतिथि प्रेरक शिक्षक राकेश गहलोत ने समिति की ओर से शिक्षा व समाज सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। संस्था प्रधान प्रकाश जाट ने अतिथियों का शाब्दिक स्वागत किया। कार्यक्रम में विद्यालय परिवार की ओर से दानदाता सीताराम शर्मा, गौरव दाधीच और प्रेरक राकेश गहलोत का दुपट्टा और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मान किया गया। इस मौके पर शंभुदयाल मीणा, मंजू वर्मा, संतोष सोनी, रमेश आचार्य, राजू नाथ, राजू प्रजापत, कांता प्रजापत व विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक सत्यनारायण टेलर ने किया।

मतदान केन्द्र का भवन परिवर्तन

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिले के रतनगढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केन्द्र संख्या 46 का भवन परिवर्तन किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी अभिषेक सुराणा ने बताया कि जिले के रतनगढ़ विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदान केन्द्र संख्या 46 (प्रेमसुखदास अजीतसरिया अतिथि भवन, रतनगढ़) का निजी भवन में परिवर्तित हो जाने के कारण भवन परिवर्तन किया गया है। परिवर्तन के बाद अब मतदान केन्द्र संचियालाल बैद राजकीय बालिका सीनियर मा. वि. बायां भाग, रतनगढ़ में निर्धारित किया गया है।

जिला कलेक्टर के नाम एसडीएम को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। नए बस स्टैंड पर सुव्यवस्थाएं किए जाने की मांग उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर की गई है। एडवोकेट तिलोकचंद मेघवाल, पूर्व सरपंच बुल्ला राम मेघवाल, विजय पाल श्योराण ने जिला कलेक्टर चूरू के नाम ज्ञापन देकर मांग की है कि केंद्रीय नए बस स्टैंड पर लिखा जाए कि किस रूट की बस किस जगह लगेंगी। रोडवेज व प्राइवेट बसों का टाइम टेबल बोर्ड लगाया जाए। रोडवेज स्टाफ लगाकर टिकट खिड़की शुरू की जाए। साथ ही शहर में नए टेंपो रूट भी बनवाए जाएं। न्यू बस डिपो से नाथो तालाब होते हुए नगर परिषद के पीछे तक टेंपो रूट बने। लाडनूं रोड़ डीएसपी ऑफिस सुजला बस स्टैंड से पुराना बस स्टैंड, गणेश मन्दिर होते हुए न्यू केंद्रीय बस स्टैंड तक टेंपो रूट बने। इनसे हजारों लोगों को आने जाने में बहुत सुविधा रहेगी। नए रूट से टेंपो वालों को भी नए रूट की नई सवारियों से कमाई होगी। स्टेशन रोड़ पर भी दबाव कम होगा।

भामाशाहों का स्कूल में किया सम्मान

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.) स्थानीय राय साहब चांदमल पाण्ड्या स्कूल में भामाशाह सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रधानाध्यापक पवन कुमार शर्मा ने आयोजकीय पृष्ठभूमि को रेखांकित किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी गोविन्द सिंह राठौड़ रहे। जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में सीबीईईओ सुनीता पूनिया, एसीबीईईओ मंजू पंवार, ओमप्रकाश देवठिया, नेता प्रतिपक्ष जयश्री दाधीच, सरोज वीर पूनिया, रामावतार शर्मा, घनश्याम नाथ कच्छावा, सुरेंद्रसिंह राठौड़, कुसुम शर्मा आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम में पवन सोनी, निहालसिंह, जनार्दनसिंह, ब्रह्मदत शर्मा, महेश सोनी, भारत भूषण तूनवाल, रामावतार मंत्री भी मंचस्थ रहे। कार्यक्रम में भामाशाहों को सम्मानित किया गया।

छापर रोड़ पर जेसीबी से तोड़े पक्के निर्माण

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। छापर रोड़ पर बनने वाले रेलवे ओवर ब्रिज को लेकर कथित अतिक्रमणों हटाने का काम शुरू कर दिया गया है। सार्वजनिक निर्माण विभाग के अधिशाषी अभियंता ऋतिक सांखला, सहायक अभियंता हरीगोपाल के नेतृत्व में छापर रोड़ स्थित एमआरएफ शोरूम की तरफ से इस कार्यवाही को प्रांरभ किया गया। मौके पर चार जेसीबी और ट्रेक्टर्स की सहायता से अतिक्रमण हटाने का काम शुरू किया गया है। जेसीबी से पक्के निर्माणों को तोड़ा गया है, जिससे लोगों में हड़कम्प मच गया। दूसरी ओर सड़क पर छापर फाटक तक के अतिक्रमण पहले दिन डिवाईडर से सेंटर नापकर हटाए गए हैं। कुछ लोगों के वक्त मांगने पर पक्के निर्माण उनको तोड़ने के लिए कहा गया है। जबकि पेट्रोल पम्प की ओर से अतिक्रमण हटना बाकी है। छापर रोड़ की ओर जब पक्के निर्माण टूटने लगे, तो फाटक से पहले स्थित दुकानों में बैठे लोग हरकत में आए और अपनी दुकानों को खाली करने लगे। शाम तक अनेक लोग अपने पक्के निर्माण स्वतः तुड़वाने लगे। फाटक तक कार्यवाही करने के बाद जेसीबी आदि का लवाजमा चला गया। इस दौरान सीआई बैगाराम मीणा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पुलिस जाप्ता भी मौके पर तैनात रहा। हालांकि कुछ लोगों ने तहसीलदार के 3 मार्च को पारित किए गए आदेश पर स्टे भी ले रखा है। देखने वाली बात ये होगी कि सार्वजनिक निर्माण विभाग उनको लेकर किस प्रकार समाधान का रास्ता निकालता है।

पेयजल समस्या को लेकर चर्चा

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। जलदाय विभाग के सहायक स्थानीय अभियंता कार्यालय में नहरबंदी के दौरान सुजानगढ़ शहर के विभिन्न वार्डों में पेयजल आपूर्ति को लेकर चर्चा के लिए बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में जलदाय विभाग के अधिशाषी अभियंता कैलाश माली, सहायक अभियंता सुनील कुमार, आपणी योजना के अधिशाषी अभियंता जितेन्द्र, सहायक अभियंता डिम्पल खिलेरी सहित विभागीय कर्मचारी श्रवण माली, सुनील जाखड़, कैलाश स्वामी और गोविन्द स्वामी मौजूद रहे। मरम्मत के लिए 23 अप्रैल से दशुरू होने वाली नहरबंदी के दौरान पेयजल आपूर्ति सुचारू बनाए रखने की व्यवस्था और संभावित समस्याओं पर चर्चा करना की गई। पार्षद पंकज घासोलिया ने बताया कि शहर के कई वार्डों में पहले से ही 7 से 10 दिनों के अंतराल पर पानी मिल रहा है, ऐसे में आगामी नहरबंदी से स्थिति और अधिक गंभीर हो सकती है। पार्षद पुरुषोत्तम शर्मा ने बताया कि कई जगह पाइपलाइनों में लीकेज की समस्या बनी हुई है, जिसकी कई बार शिकायत करने के बावजूद समाधान नहीं हुआ है। पार्षद प्रतिनिधि गणेश मंडावरिया एवं पन्नालाल सोनी ने अपने-अपने वार्डों में कई घरों तक पानी नहीं पहुंचने और पाइपलाइनों के अव्यवस्थित कनेक्शन की समस्या उठाई। पार्षद दीनदयाल पारीक और पार्षद प्रतिनिधि प्रेम स्वामी ने गर्मियों के मद्देनजर गंभीर पेयजल संकट की आशंका जताई। कमल दाधीच ने कहा कि नहरबंदी के समय हर बार शहर में विकट स्थिति बनी रहती है, नहर बंदी के समय शहर की जनता को पर्याप्त पानी मिले, किसी भी तरह के प्रशासनिक सहयोग कि यदि आपको आवश्यकता हो तो हम उसके लिए सदैव तत्पर रहेंगे। इस पर अधिशाषी अभियंता कैलाश माली ने बताया किया कि नहरबंदी के दौरान लाडनूं स्रोत से प्राप्त पानी का उपयोग भी वैकल्पिक रूप से वितरण में करना पड़ सकता है व टैंकरों के माध्यम से सभी वार्डों में पेयजल आपूर्ति की जाएगी और विभाग हर संभव प्रयास करेगा कि किसी भी क्षेत्र में जल समस्या उत्पन्न न हो।

पृथ्वी दिवस पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। राज. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर व जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अध्यक्ष (जिला व सेशन न्यायाधीश) रविन्द्र कुमार तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव डॉ शरद कुमार व्यास के निर्देशानुसार मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय पृथ्वी दिवस के अवसर पर इको क्लब व सिविल राइट सोसायटी, चूरू के संयुक्त तत्वाधान में रामसरा के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति, इको क्लब प्रभारी अनिल कुमार, आसिफ खान, सलेमुदिन, देवेन्द्र गहलोत, सुरेन्द्र कुमार तवर, अहमद अली खान, विद्यालय स्टाफ, छात्र-छात्राएं व ग्रामीणजन उपस्थित रहे। सिविल राइट सोसायटी चूरू के जिला अध्यक्ष व विधिक चेतना समिति के सदस्य एडवोकेट रामेश्वर प्रजापति ने कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण के लिए संकल्पित प्रयास करने होंगे। ऐसे अवसरों पर हमें पहल करते हुए स्वैच्छिक श्रमदान व प्रकृति व पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में सकारात्मक प्रयास करने चाहिए। हमें हमारे गांव, कस्बे, जिले से शुरूआत करनी चाहिए। उन्होंने विधिक जानकारी साझा करते हुए जिला विधिक प्राधिकरण की गतिविधियों से भी अवगत करवाया। उन्होंने उपस्थितों को पर्यावरण संरक्षण की शपथ दिलाई। सभी उपस्थितों ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चूरू की ओर से पृथ्वी दिवस को पूरे सप्ताह के रूप में मनाने का स्वैच्छिक संकल्प लिया।

झपट्टा मार गिरोह के दो बदमाश गिरफ्तार

जयपुर टाइम्स

तारानगर(निस)। साहवा पुलिस ने झपट्टा मार गिरोह के दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। बदमाशों ने एक 40 वर्षीय व्यक्ति की आंख में लाल मिर्च पाउडर फेंक कर लूट के वारदात को अंजाम दिया था। चूरू एसपी जय यादव ने बताया कि क्षेत्र के गांव भाड़ंग के 40 वर्षीय जुगल किशोर प्रजापत ने 21 अप्रेल को मुकदमा दर्ज करवाया था कि वह साहवा कस्बे में टेलर का काम करता है। 17 अप्रेल 2025 की शाम को जब वह अपनी बाइक पर गांव जा रहा था, तभी साहवा के सरकारी कॉलेज के पास तीन व्यक्ति मोटरसाइकिल पर आए और आंखों में मिर्च फेंक कर मोबाइल और रुपए छीनकर ले गए। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की। पुलिस ने आरोपियों की तलाश में करीब 500 से ज्यादा सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी और सूचना के आधार पर साहवा के 18 वर्षीय सुरेंद्र वाल्मीकि और 30 वर्षीय कृष्ण कुमार माली को चिन्हित कर गिरफ्तार कर लिया। उक्त कार्यवाही में साहवा थाने के कांस्टेबल भूराराम की विशेष भूमिका रही।

विवाहिता ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। तहसील के गांव उदासर चारणान में एक विवाहिता ने अपने घर के कमरे में फांसी का फंदा लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने विवाहिता के शव को नीचे उतारकर कब्जे में लेकर राजकीय उपजिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। जहां विवाहिता के पीहरपक्ष व ससुराल के परिजनों के आने बाद पुलिस ने महिला का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द किया। विवाहिता मृतका के चाचा राजेन्द्र पुत्र हरिराम कुम्हार निवासी खोड़ा रावतसर ने पुलिस को रिपोर्ट देकर बताया कि मेरी भतीजी रमना की शादी 2021 में सरदारशहर तहसील के गांव उदासर चारणान के महेंद्र पूत्र मुलाराम कुम्हार से साथ हिन्दू रीति रिवाज से सम्पन्न हुई थी। मेरी भतीजी रमना अपने ससुराल में ही रहती थी। हमें समाचार मिला कि हमारी भतीजी रमना ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। हम लोग सरदारशहर के राजकीय उपजिला अस्पताल में पहुंचे जहां पर पुलिस की ओर से पोस्टमार्टम करवाया जाना था। रिपोर्ट देने पर पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाया। रिपोर्ट में बताया कि मेरी भतीजी रमना की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर विवाहिता के शव का पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया। रिपोर्ट के आधार पर मामले की जांच शुरू कर दी।

पिकअप की टक्कर से डागा मार्ग पर टूटा पोल

जयपुर टाइम्स

सुजानगढ़(नि.सं.)। डागा मार्ग पर पिकअप की टक्कर से एक विद्युत पोल टूट गया। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि दुकान पर बसंत बोरड़ बैठे थे, जो बाल-बाल बच गए। घटना के बाद पिकअप चालक मौके पर ही खड़ रहा है विद्युत निगम को सूचित किया गया। बाद में विद्युत सप्लाई बंद करवाई गई। लेकिन बाद में सप्लाई शुरू करवाई गई। निगम कर्मचारी मौके पर पहुंच गए और पिकअप चालक से जुर्माना वसूला गया।

पुनसीसर गांव के सामुदायिक भवन पर अतिक्रमण, कार्रवाई की मांग

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस)। उपखंड इलाके में इन दिनों में अतिक्रमण का मामला दिनों दिन बढता जा रहा है। ऐसे में मंगलवार को गांव पुनसीसर के ग्रामीणों ने मुकेश कुमार के नैतृत्व में गांव में बने सरकारी सामुदायिक भवन में किए गए अवैध कब्जे को हटाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने एसडीएम कार्यालय में विरोध प्रदर्शन करते हुए एसडीएम डॉ द्विव्या चौधरी को ज्ञापन देकर समस्या के समाधान की मांग की हैं। गांव के मुकेश कुमार ने बताया कि गांव के आमजन की सुविधा के लिए सामुदायिक भवन बनाया गया था। जिस पर गांव के कुछ असमाजिक तत्वों की ओर से अवैध रूप से कब्जा कर लिया गया है। ग्रामीणों की ओर से भवन को अतिक्रमण मुक्त करवाने के लिए कई बार अवगत करवाया गया। लेकिन कोई सुनवाई अभी तक नहीं हुई है। इसलिए मजबूर होकर ग्रामीणों दने एक बार फिर ज्ञापन सौपकर अतिक्रमण हटाने की मांग की हैं। एसडीएम डॉ द्विव्या चौधरी ने कहा कि जो भी आपकी मांग है उसकी जांच करवाई जाएगी। इस मौके पर मुकेश कुमार, श्यामलाल, शंकरलाल, मनफूल, छोटूलाल, मुकेश कुमार, धड़सीराम, मनीराम, विशाल कुमार, जयदेव, प्रतापराम, मुकेश आदि उपस्थित रहे।

फूले फिल्म को रिलीज करने की मांग, एसडीएम को ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

रतनगढ़(निस)। अखिल भारतीय पिछड़ा वर्ग अनुसूचित जाति अनुसूचित जनजाति व अल्पसंख्यक महासंघ के सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नाम मंगलवार को एसडीएम रामकुमार वर्मा को ज्ञापन देकर फूले फिल्म को बिना कांट-छांट के रिलीज करने की मांग की है। ज्ञापन में उल्लेख किया गया है कि सामाजिक कुरीतियों व इतिहास की सत्यता दिखाने वाली फिल्म फूले का निर्माण किया गया है। फिल्म में नारी शिक्षा को बढ़ावा देने, सामाजिक कुरीतियों पर प्रहार किया गया है। इसमें सावित्री बाई फूले व ज्योति राव फूले के संघर्ष का फिल्मांकन किया गया है। यह फिल्म 11 अप्रैल को भारत के सभी सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली थी, लेकिन कुछ उच्च सामाजिक संगठनों की ओर से इस फिल्म का विरोध किया गया था, जिसके चलते फिल्म का प्रसारण व उक्त फिल्म के रिलीज पर रोक लगा दी गई है। अत इस फिल्म को शीघ्र ही रिलीज किया जाए। ज्ञापन पर काफी संख्या में लोगों के हस्ताक्षर हैं।

जिला प्रमुख वंदना आर्य ने किया खण्डवा पट्टा ग्राम पंचायत का निरीक्षण

जयपुर टाइम्स

चूरू(निस)। जिला प्रमुख वंदना आर्य ने मंगलवार को चूरू पंचायत समिति की खण्डवा पट्टा ग्राम पंचायत का निरीक्षण कर व्यवस्थाएं देखीं। जिला प्रमुख आर्य ने ग्राम पंचायत में चल रहे विभिन्न विकास कार्यों का अवलोकन किया और प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजनान्तर्गत प्रगतिरत आवासों का निरीक्षण कर लाभार्थियों से संवाद किया। इसी के साथ उन्होंने प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया व संबंधित कार्मिकों को नियमित सेवाएं देने व स्वच्छता के लिए निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आमजन को बेतहरीन सेवाओं का लाभ मिले। इसके लिए हम सभी मिलकर बेहतरीन प्रयास करें। हम परिवेश के पात्र व्यक्तियों को सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूक कर लाभान्वित करें।

मेलसर ग्राम पंचायत में गोचर भूमि पर अवैध कब्जा, प्रदर्शन कर सौंपा ज्ञापन

जयपुर टाइम्स

सरदारशहर(निस) शहर के उपखंड कार्यालय में मंगलवार को मेलूसर ग्राम पंचायत की गोचर भूमि पर किए गए अवैध कब्जों के दौरान बनाए गए पक्के निर्माण को हटाकर गोचर भूमि की जमीन को अतिकमण मुक्त करने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए एसडीएम डॉ द्विव्या चौधरी को ज्ञापन सौपा हैं। गांव के गंजानंद शर्मा और विकास मंच के अध्यक्ष एडवोकेट राजेंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि खसरा संख्या 212 की गोचर भूमि पर कुरडाराम कस्वां, सहीराम कस्वां, ओमप्रकाश, हरीराम कस्वां, इन्द्र चंद कस्वां, फुलाराम कस्वां व घीसाराम कस्वां की ओर से अवैध रूप से कब्जा कर मकान निर्माण कर लिया गया है। यह भूमि ग्राम पंचायत के रिकॉर्ड में गोचर भूमि के रूप में दर्ज है और इस पर किसी भी प्रकार का निजी निर्माण करना कानूनन वर्जित है। ग्रामीणों ने बताया कि इस संबंध में पूर्व में पंचायत बैठक भी बुलाई गई थी। परंतु कोई समाधान नहीं निकल पाया। कब्जाधारियों की ओर से बनाए गए निर्माण से आम नागरिकों को आवागमन में कठिनाई होती है और आए दिन दुर्घटनाएं भी घटित हो रही हैं। ग्रामीणों ने उपखण्ड अधिकारी से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए उक्त अतिक्रमण को तत्काल हटाया जाए और गोचर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करवाकर सार्वजनिक उपयोग के लिए पुनः उपलब्ध करवाया जाए। ग्रामीणों का कहना है कि यह मामला केवल भूमि का नहीं हैं बल्कि जनकल्याण से जुड़ा विषय है और प्रशासन को शीघ्र कार्रवाई करनी चाहिए। इस सबंध में एसडीएम डॉ द्विव्या ने कहा कि जो भी आपकी मांग है एकदम जायज है। उसकी जांच करवाते हुए जल्द समाधान करवाया जाएगा।

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग ग्रामीण खण्ड- प्रथम (एनसीआर) अलवर

जिला अलवर आगामी ग्रीष्म ऋतु 2025 में आमजन की पेयजल की समस्याओं के निवारण हेतु अलवर में कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। जिसका दूरभाष नं. 0144-2337900 है। यह समय प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक कार्यरत रहेगा राज्य सरकार के निर्देशानुसार ग्रीष्मकाल में PHED का जिला स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित जो दिनांक 31.07.2025 तक चालू रहेगा

रहिमन पानी राखिये, बिन पानी सब सून।
पानी बिना ना उबरे, मोती मानस चून ॥

बदलती जीवनशैली और बदलते शहरीकरण के कारण पानी की मांग लगातार बढ़ रही है।
भू-जल अतिदोहन के कारण पानी की कमी निरन्तर बढ़ रही है।
अतः जीवन को सुरक्षित रखना है तो वर्षा एवं भूमिगत जल को संरक्षित रखना होगा। के दूरुपयोग को रोकना होगा वरना जीवन खतरे में पड़ जायेगा।
आओ हम दैनिक कार्यों में जल उपयोग के निम्नांकित तरीकों को अपनाकर जल की बचत कर आने वाली पीढ़ी के जीवन को सुरक्षित रखने में सहयोग प्रदान कर सकते हैं-

जल बिन सब सून

' जल ही जीवन है ' जल के बिना जीवन सुरक्षित नहीं है इस बाबत महान कवि रहिमनजी ने भी अपने निम्नांकित दोहे के मार्फत जीवन पर जल की उपयोगिता का चित्रण किया है।

बचे हर बूंद, पले जीवन, हमने किये हैं वो सारे जतन । अब आगे आये एक-एक जन, जल संचय में लगा दे तन मन ।।

हाथ धोते समय कम से कम पानी का उपयोग करें।

शेविंग या बर्तन धोते समय जब प्रयोग में न हो, नल बंद कर दें

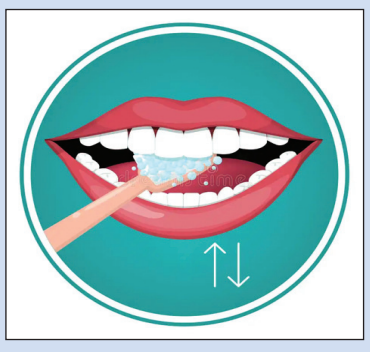

अपने दाँत ब्रश करते समय एक कप या गिलास का उपयोग करें

नहाते समय शॉवर की बजाय बाल्टी का इस्तेमाल करें

सब्ज़ियों को धोने के लिए नल के पानी को चलाने से बचें, इसके बजाय एक कटोरी का उपयोग करें, पानी डालें और फिर इन्हें धो ले

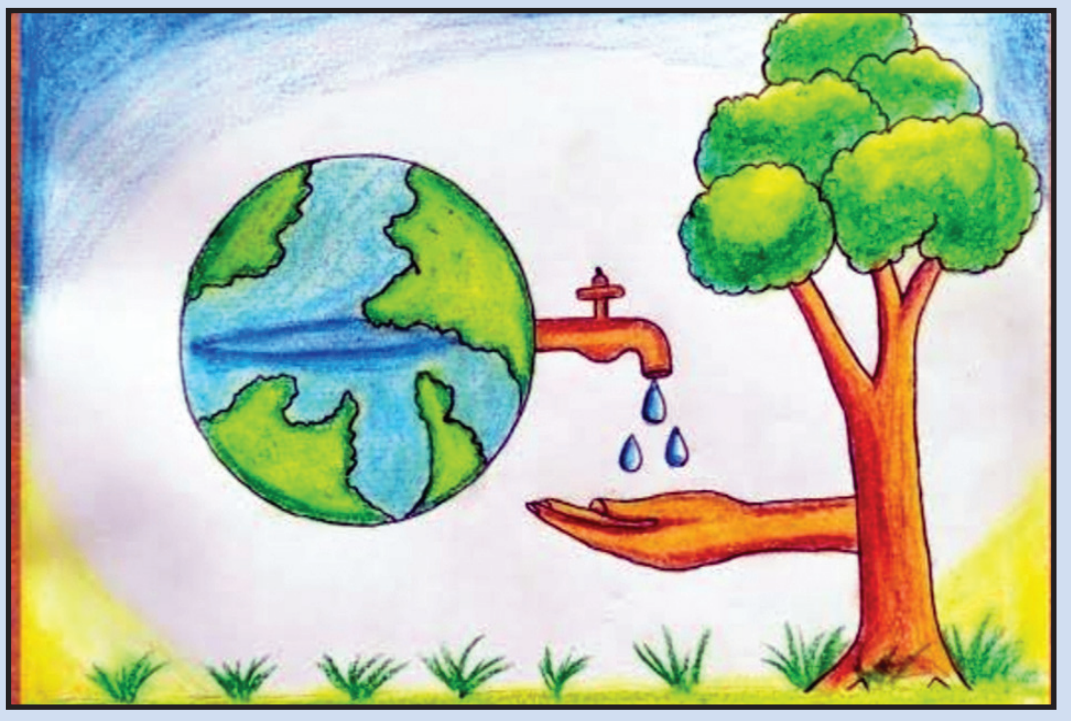

क्र. सं.	दैनिक क्रिया का नाम	खर्च पानी की मात्रा लीटर में	जल उपयोग करने के तरीके	पानी बचत की मात्रा लीटर में
1.	स्नान करने में	फव्वारे से - 180 लीटर	बाल्टी से 18 लीटर	162 लीटर
2.	शौचालय जाने में	फ्लक्स टैंक से 13 लीटर	छोटी बाल्टी से 4 लीटर	9 लीटर
3.	शेव करने में	नल खोलकर करने से 11 लीटर	मग से पानी लेकर 1 लीटर	10 लीटर
4.	दंत मंजन	नल खोलकर करने में 33 लीटर	मग या छोटे लोटे से पानी लेकर 1 लीटर	32 लीटर
5.	कपड़ों की धुलाई	नल खोलकर करने में 166 लीटर	बाल्टी के उपयोग से 18 लीटर	148 लीटर
6.	एक लॉन / कोर्ट यार्ड में 10,000 से 12,000 लीटर उपयोग किये जल से एक छोटे परिवार हेतु एक माह का जल उपलब्ध हो सकता है।			
7.	प्रति सैकण्ड नल से टपकती जल बूंद से एक दिन में 17 लीटर जल का अपव्यय होता है।			
8.	इसके अलावा उपभोक्ता अपनी सर्विस लाईनों की मरम्मत कर पानी के रिसाव को रोककर भी सहयोग प्रदान कर सकते हैं।			
9	जलदाय विभाग की पाईप लाईनों में यदि कहीं लीकेज हो तो उसकी सूचना भी विभाग को समय पर देकर सहयोग कर सकते हैं।			

कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता जन स्वास्थ्य अभियान्त्रिकी विभाग ग्रामीण खण्ड- प्रथम (एनसीआर) अलवर

स्वात्वाधिकारी, कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि. के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक रामेश्वरलाल जाट द्वारा कैम्ब्रिज मल्टीमीडिया प्रा.लि., सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर में मुद्रित एवं सी-565 सी, 4 सी स्कीम, न्यू लोहा मंडी रोड, सीकर रोड़ जयपुर -302013 से प्रकाशित।
सम्पादक : नीतू चौधरी, सी-588, 4सी स्कीम, न्यू लोहा मण्डी रोड, जयपुर-302013 मो. : 7014217770, E-Mail : jaipurtimes2007@gmail.com *पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के जिम्मेदार, समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जयपुर।